जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 209 प्रभात चूरू, मंगलवार 26 नवम्बर, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

15 साल राज किया, पर 15 सीटों पर सिमटी कांग्रेस महाराष्ट्र में

क्या राहुल गाँधी कांग्रेस को चुनाव जिताने में असक्षम एवं असफल साबित हो गए हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। क्या राहुल गांधी कांग्रेस को एक ऐसी सुसंगत, एकजुट तथा चुनाव जीतने वाली पार्टी का रुप देने में असफल हो गये हैं, जिसकी संगठनात्मक जड़ें गहरी हों तथा जिसकी विभिन्न कमेटियों में ऐसे नेता हों, जो सत्यनिष्ठा के साथ काम कर सकते हों?

महाराष्ट्र में कांग्रेस की जबरदस्त पराजय बता रही है कि सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। महाराष्ट्र में 15 साल कांग्रेस का शासन रहा और 288 सदस्यों वाली विधानसभा में उसके पास केवल 15 सीट हैं।

राहुल गांधी विभिन्न राज्यों में कार्यालय प्रभारी नियुक्त करने में एक चुनाव-जिताऊ तन्त्र बनाने में तथा निष्ठा से काम करने वाले नेताओं को आगे लाने में असमर्थ रहे हैं।

उनकी समस्या यह है कि उनके पास ऐसे चन्द गिने-चुने नेता हैं, जिन पर वे भरोसा करते हैं, जिन पर उन्हें विश्वास है और उन्होंने उन नेताओं को निर्णय लेने की नियुक्तियाँ करने की, रणनीति तय करने की तथा अपने हिसाब से पार्टी चलाने की छूट दे रखी है।

- कमज़ोर संगठन और ईमानदारी के साथ पार्टी के लिए काम करने वाले नेताओं के संकट से जूझ रही पार्टी में अधिकांश राज्यों में संगठन के प्रमुख पद खाली पड़े हैं।
- असल में राहुल कुछ ही नेताओं पर भरोसा करते हैं और ये नेता अपनी मर्जी से राहुल को चलाते हैं। इनमें सबसे पहला नाम है के.सी. वेणुगोपाल का, जो राहुल के दाएं हाथ माने जाते हैं।
- लेकिन अब वेणुगोपाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रियंका गांधी के रूप में पार्टी में नया पावर सैंटर उभर रहा है और वेणुगोपाल को अब अगर अपना पद बचाना है तो प्रियंका को भी प्रसन्न रखना होगा।
- वर्ष 2019 के बाद से कांग्रेस ने कई चुनाव हारे हैं पर किसी ने भी हार से कोई सबक नहीं सीखा। हार के लिए किसी की भी जिम्मेवारी तय नहीं की जाती है। जिन नेताओं के नेतृत्व में पार्टी को राज्यों में शर्मनाक हार मिली वे आज भी संगठन में महत्वपूर्ण बने हुए हैं, शायद यही कारण है कि एक हार के बाद पार्टी अगली हार की ओर बढ़ जाती है।

इनमें सबसे पहले आते हैं, के.सी. वेणुगोपाल, जो राहुल के दाहिने हाथ हैं तथा जो सारे महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं तथा नियुक्तियाँ करते हैं।

वे वायनाड में प्रियंका गांधी के पीछे लगे रहने पर इतना ध्यान दे रहे थे, मानों उन्हें प्रियंका को अपनी प्रति पूरी तरह अनुकूल बनाये रखना हो, क्योंकि वे कांग्रेस में सत्ता के एक बड़े केन्द्र के रूप में उभरने ही वाली हैं। अगर वेणुगोपाल अपने पद को बनाये रखना चाहते हैं, तो अब उनको प्रियंका गांधी के इर्द-गिर्द चक्कर लगाते ही रहने होंगे।

वेणुगोपाल का ध्यान महाराष्ट्र या झारखंड के चुनावों की तरफ बिलकुल भी नहीं था।

हरियाणा में मिली अप्रत्याशित हार के बाद, कांग्रेस वहाँ से कोई सबक सीखने में असफल रही। कोई जिम्मेदारी तय नहीं की गई, कोई आत्म-निरीक्षण नहीं किया गया, और अब पार्टी को महाराष्ट्र के नतीजों का सामना करना है। नाना पटोले ने अपने इस्तीफे की पेशकश की, लेकिन समझा जाता है कि उनसे कह दिया गया बताते हैं कि वे एक नई समस्या पैदा नहीं करें, क्योंकि फिर अन्य लोगों पर भी जिम्मेदारी तय करनी पड़ेगी।

एक मीटिंग में, राहुल गांधी के चन्द गिने-चुने नवरत्नों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि ई.वी.एम. हैक नहीं की जा सकतीं। इनमें से कई नेता, वरिष्ठ भाजपा नेताओं के सम्पर्क में माने जाते हैं क्योंकि उन्हें उनके खिलाफ केस बनाये जाने का डर है या फिर कुछ अन्य कारण हैं।

पार्टी में यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या समय आ गया है कि राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनने का निर्णय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अडानी और मणिपुर की भेंट चढ़ा शीतकालीन सत्र का पहला दिन

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 नवंबर। संसद के शीत सत्र के पहले ही दिन लोकसभा तथा राज्यसभा, दोनों को व्यवधान का सामना करना पड़ा क्योंकि, विपक्षी दल के नेता अडानी रिश्वत केस तथा मणिपुर हिंसा पर अविलंब चर्चा की मांग करते रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने, सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने के, विपक्ष के प्रयास की आलोचना की। संसद की कार्यवाही अब बुधवार को फिर शुरू होगीं, क्योंकि, मंगलवार को दोनों सदनों में संविधान के 75 वर्षों का जश्न मनाया जाएगा।

विपक्षी दल इस मुद्दे पर एकजुट हैं कि अडानी पर रिश्वत आरोपों की जवाबदेही सरकार की है, जबकि, शीत सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री की टिप्पणियां, सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाती हैं।

- पहले दिन ही लोकसभा पूरे दिन के लिए स्थगित, अब बुधवार को पुनः काम शुरू होगा।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने आज लगभग एक घंटे के लिए, दोपहर 12 बजे तक सदन को स्थगित कर दिया और बाद में 12 बजे जब सदन की कार्यवाही पुनः शुरू हुई तो, पीठासीन अधिकारी संध्या रे ने उनके तुरंत बाद लोकसभा को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया। कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने धरना प्रदर्शन करके अडानी के विरूद्ध रिश्वत के आरोपों मामलों और मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग की।

गत सप्ताह, विश्व के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक, गौतम अडानी व सात अन्य पर अमेरिका के सरकारी वकीलों ने दोषारोपण किया था। इन लोगों पर आरोप था कि, सोलर पावर सप्लाई कांट्रैक्ट हासिल करने के लिए इन्होंने कई राज्यों के भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं

अमित शाह ने देवेन्द्र फड़नवीस, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार से मीटिंग कर फॉर्मूला तय किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। भाजपा नेता देवेन्द्र फड़नवीस, जो जाति से ब्राह्मण हैं, तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। आधे कार्यकाल अर्थात ढाई साल बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी एकनाथ शिंदे को मिलेगी। शिंदे और पवार उपमुख्यमंत्री बनेंगे।

यह फॉर्मूला केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीनों नेताओं से मुलाकात करने के बाद निकाला है। सूत्रों का कहना है कि शिंदे मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं थे पर जब शाह ने उनसे वादा किया कि आधे कार्यकाल के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा और अगले चुनाव के समय वे ही मुख्यमंत्री होंगे तब जाकर एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा छोड़ने के लिए माने। नई सरकार संभवतया मंगलवार को शपथ लेगी।

महायुति सरकार की नई व्यवस्था में शिंदे सेना के 12 मंत्री होंगे और एन.सी.पी. के दस।

शुरु के ढाई साल तक देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगे और चर्चा है कि ढाई साल बाद जब फड़नवीस मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र दे देंगे तब उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। तब तक केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर कार्यकाल में एक बार फिर विस्तार दिया जा सकता है।

- नए फार्मूला के तहत, शुरू के ढाई साल देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री बनेंगे और बाद के ढाई साल एकनाथ शिंदे।
- शिंदे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावेदारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे पर अंततः शाह के समझाने पर वे मान गए।
- नई व्यवस्था में शिंदे और अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा तथा शिंदे गुट के 12 और एन.सी.पी. के 10 मंत्री होंगे।
- सूत्रों ने बताया कि ढाई साल बाद जब फड़नवीस महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री पद छोड़ेंगे तो उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

खुली जेल में सैटेलाइट अस्पताल के निर्माण पर कोर्ट कमिश्नर नियुक्त

जयपुर, 25 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सांगानेर स्थित देश की पहली खुली जेल में राज्य सरकार की ओर से 300 बैड्स के सेटेलाइट हॉस्पिटल बनाए जाने के मुद्दे पर जनकल्याण व खुली जेल की व्यवस्था को संरक्षित रखते हुए, हॉस्पिटल बनाने की मंशा जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने खुली जेल परिसर के मौका-मुआयना के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर उससे चरणबद्ध योजना व रिपोर्ट देने के लिए

- सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त कमिश्नर जाँच करेगा कि खुली जेल की सुविधाएं संरक्षित रहें।

कहा है। अदालत ने कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट आने तक आगामी सुनवाई स्थगित रखी है। जस्टिस बी.आर. गवई व के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने यह आदेश प्रसून गोस्वामी की अवमानना याचिका पर दिया। अदालत ने राज्य सरकार को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि निर्माण कार्य में खुली जेल की सुविधाएं भी संरक्षित रहें। वहीं, निर्माण से पहले जेल में रहने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झारखंड की नई विधानसभा में 71 करोड़पति विधायक

करोड़पति विधायकों की संख्या 2014 में 41 और 2019 में 56 थी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। एक चीज़ ऐसी है जो पूरे देश में सभी राजनीतिक दलों को एक सूत्र में बांधती है: चुनावों में करोड़पतियों की संख्या उदाहरण के लिए झारखंड में चयनित करोड़पतियों की संख्या 2014 में 41 थी जो कि 2019 में बढ़कर 56 हो गई। ये आंकड़े, झारखंड इलैक्शन वॉच एण्ड द एसोसिएशन ऑफ डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जारी किए हैं। हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में भी यही ट्रैंड देखा गया और इस बार नवनिर्वाचित विधायकों में से 89 प्रतिशत विधायकों की संपत्ति करोड़ों की है। दूसरे शब्दों में, नवनिर्वाचित विधायकों में से 71 विधायक करोड़पति पाए ग, जो कि 2019 के ऐसे विधायकों से 20 प्रतिशत अधिक है। ऐसे अमीर विधायक सभी राजनीतिक दलों में है।

कांग्रेस के रामेश्वर ओरांव इस बार सबसे अमीर विधायक के रूप में सामने आए हैं। उनकी संपत्ति 42.20 करोड़ की आंकी गई है।

भाजपा के कुशवाहा शशि भूषण मेहता, जो पनकी विधान सभा सीट से विजयी रहे हैं। दूसरे नम्बर के सबसे अमीर विजयी प्रत्याशी हैं। इनकी कुल संपत्ति 31.15 करोड़ मूल्य की है। रिपोर्ट के अनुसार गोड्डा सीट से जीतने वाले आर.जे.डी. के संजय प्रसाद यादव, 29.59 करोड़ की कुल संपत्ति के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- करोड़पति विधायकों में पहले नम्बर पर हैं कांग्रेस के रामेश्वर ओरांव, जिनकी सम्पत्ति 42.20 करोड़ रु है। दूसरे नम्बर पर भाजपा विधायक कुशवाहा शशि भूषण मेहता और तीसरा नम्बर है आर.जे.डी. के संजय प्रसाद यादव का।
- 71 करोड़पति विधायकों में से सर्वाधिक 28 विधायक आदिवासियों की पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा से हैं और 20 भाजपा से। कांग्रेस के करोड़पति विधायकों की संख्या 14 है, आर.जे.डी. के 5 तो सी.पी.आई.एम.एल. (लिबरेशन) के चार व एल.जे.पी., जद (यू) और ए.जे.एस.यू. का एक-एक विधायक करोड़पति है।
- ये आंकड़े झारखंड इलैक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डैमोक्रैटिक रिफॉर्म्स ने संयुक्त रूप से जारी किए हैं।

दो से ज्यादा संतान वालों की पदोन्नति की राह खुली

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कार्मिक विभाग के 16 मार्च, 2023 की अधिसूचना के आधार पर, दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को संबंधित सालों से पदोन्नत करने के मामले में रोक लगाने के आदेश को संशोधित कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने पदोन्नति पर लगी रोक को

- कार्मिक विभाग ने दो से ज्यादा संतान वालों की पदोन्नति के बारे में मार्च 2023 में अधिसूचना जारी की थी। अदालत ने इस अधिसूचना पर रोक लगा दी थी। आज चीफ जस्टिस की खंडपीठ ने यह रोक हटा दी।

हटाते हुए, होने वाली पदोन्नितयों को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रखा है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश संतोष व अन्य की याचिका पर राज्य सरकार की ओर से दायर स्टे प्रार्थना पत्र पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में मनमानी राजनैतिक नियुक्तियां कीं वेणुगोपाल ने

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने जाति, धर्म और क्षेत्रवार संतुलन को पूरी तरह नज़र अंदाज किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी कहा गया है, जो मुसलमानों के हितों और कल्याण पर फोकस करती है।

कांग्रेस ने दिल्ली कांग्रेस में की गई नियुक्तियों से इस बात को सही साबित कर दिया है।

काज़ी निज़ामुद्दीन को सचिव पद से पदोन्नत करके दिल्ली का ए.आई.सी.सी. इन्चार्ज बनाया है। कहा जाता है कि उन्हें के.सी. वेणुगोपाल का आशीर्वाद प्राप्त है, इन नियुक्तियों के पीछे उन्हीं का हाथ है, जिनमें जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया है। वो ''सोशल इंजिनियरिंग'' जैसे शब्दों से अवगत नहीं हैं, और इस सिद्धांत पर काम करते हैं कि मेरा आदमी सर्वश्रेष्ठ है।

इसके साथ ही दानिश अबरार को दिल्ली के लिए सचिव नियुक्त किया गया है। दिल्ली की स्क्रीनिंग कमेटी में, सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को सदस्य बनाया गया है।

वरिष्ठ नेताओं से जब इस बारे में पूछा गया तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। दिल्ली और हरियाणा के प्रभारी, बीमार चल रहे बाबरिया को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूत्रों ने कहा कि वेणुगोपाल शायद नहीं जानते कि राजनीति में ''सोशल इंजीनियरिंग'' कितनी महत्वपूर्ण है, उन्हें तो लगता है कि जो उनका 'यस मैन'' है, वही सही है।
- दिल्ली में चुनाव होने वाले हैं और वेणुगोपाल ने पार्टी संगठन व चुनाव प्रबंध से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर मुस्लिम समाज के नेताओं को नियुक्ति दे दी है, इससे पार्टी पर तुष्टिकरण के आरोप लगने शुरू हो गए हैं।
- लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस की यही कहानी है, राहुल ने पार्टी में अपनी पावर ऑफ अटॉर्नी वेणुगोपाल को दे रखी है।
- पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मजबूर हैं, इतने मजबूर कि वे वेणुगोपाल व जयराम रमेश को हटाना चाहते हैं पर हटा नहीं पा रहे हैं।

नीट यूजी : स्ट्रे वेकैन्सी में आवंटन निरस्त करने पर रोक

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी-2024 के स्ट्रे वैकेंसी राउंड में आवंटित सीट को निरस्त करने वाले एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने

- एकल पीठ ने 11वीं के प्रमाण पत्र में बायोलॉजी उल्लेख नहीं होने के मामले में सीट आवंटन को निरस्त कर दिया था, हाईकोर्ट की खंडपीठ ने उक्त आदेश पर रोक लगा दी।

कहा है कि यदि एकलपीठ के याचिकाकर्ता इसमें शामिल होते हैं तो उन्हें मेरिट के अनुसार सीट आवंटित की जाए। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश जतिन और नीतू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आरोप अडानी पर है, और तकलीफ भाजपा को हो रही है'

विपक्षी दलों ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधा और यह भी कहा कि भाजपा सरकार इस मुद्दे पर चर्चा करने से डरती है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। कांग्रेस लोक सभा सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार अडानी के मुद्दे पर चर्चा करने से ''बहुत ज्यादा भयभीत'' है।

वेणुगोपाल ने कहा, ''वे (सरकार) इस मुद्दे पर विपक्ष का एक शब्द भी सुनने के लिये तैयार नहीं हैं। एक सैकंड के अन्दर ही उन्होंने सदन स्थगित कर दिया। वे इस मुद्दे को उठाये जाने से डरे हुये हैं।''

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि दोनों पक्षों को परस्पर सहयोग करने की जरूरत है ताकि सदन का चलना सुनिश्चित हो सके।

तिरूवन्तपुरम के लोक सभा सांसद शशि थरूर ने कहा, ''सभी विपक्षी दल इस मुद्दे पर बहस करना चाहते थे किन्तु सरकार तैयार नहीं थी। इस मुद्दे पर बिजनेस एडवाइज़री कमेटी में चर्चा होनी चाहिये। मुख्य बात यह है कि हर सदस्य को सदन चलने देना चाहिए, सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिये।''

उन्होंने आगे कहा, ''एक सांसद होने के नाते, मैं यहाँ आना और बहस करना चाहता हूँ, लेकिन इसके लिये दोनों पक्षों की ओर से सहयोग की जरूरत है।''

राज्य सभा के आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अडानी के खिलाफ गम्भीर आरोप हैं, जिन पर चर्चा होना जरूरी है।

उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार संसद को नहीं चलने दे रही। हम चाहते हैं कि अडानी के भ्रष्टाचार पर चर्चा हो। इसके कारण, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सारी दुनिया में भारत की बदनामी हो रही है।''

- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि सभी विपक्षी दल इस मसले पर चर्चा करना चाहते हैं, पर सरकार नहीं चाहती।
- आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अडानी ने मोदी सरकार के अफसरों को रिश्वत दी और देश की जनता को महंगी बिजली बेची।
- तृणमूल पार्टी की एक सांसद डोला सेन ने आरोप लगाया कि किसी ने भी धरना नहीं दिया फिर भी दो बार संसद स्थगित हुई और दूसरी बार तो पूरे दिन के लिए, और वो विपक्ष पर आरोप लगा रही है।
- विपक्ष का विरोध संसद तक ही सीमित नहीं है। इंडियन यूथ कांग्रेस ने जंतर मंतर पर भी धरना प्रदर्शन दिया।
- चर्चा है कि अडानी पर विदेश में मामला दर्ज हुआ है। अब अगला कदम क्या होगा, फिलहाल अडानी कहां हैं, यह पता नहीं है, समझा जाता है कि वे भारत में ही कहीं हैं।

सिंह ने आरोप लगाया, ''अडानी ने मोदी सरकार के अधिकारियों को रिश्वत दी तथा भारत की जनता को महँगी बिजली बेची, हम इस पर चर्चा करना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि प्रतिस्पर्धी बिल्डिंग होनी चाहिये। सरकार चर्चा से भाग रही हैं।''

तृणमूल कांग्रेस सांसद डोला सेन ने कहा कि ऐसा लगता है कि सत्ता पक्ष चाहता ही नहीं कि सदन चले, क्योंकि कोई भी हंगामा या शोरगुल न होने के बावजूद, सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

उन्होंने जोर देते हुये कहा, ''..किसी ने कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन दो बार स्थगन हुआ। यह सत्ता पक्ष की नीति है, वे हर पल अनावश्यक रूप से दोषारोपण कर रहे हैं।

अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स ने अडानी पर आरोप लगाया है कि वे, कथत रूप से सौर ऊर्जा अनुबन्धों के लिये उनके अनुकूल शर्तें रखने के बदले में, भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर (करीब 22,000 करोड़ रु.) से अधिक रिश्वत देने की योजना के हिस हैं।

अडानी ग्रुप ने इस आरोपों को निराधार बताते हुये खारिज कर दिया है।

इस मुद्दे को लेकर सरकार पर विपक्ष का हमला संसद तक ही सीमित नहीं था।

इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली में जन्तर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन किया तथा गौतम अडानी की गिरफ्तारी की माँग की।

प्रदर्शन का नेतृत्व इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विश्व इतिहास में प्रत्येक महान और महत्त्वपूर्ण आन्दोलन उत्साह द्वारा ही सफल हो पाया है। –एमर्सन

मात्र चुनावी जीत के आधार पर गलत, सही नहीं हो जाता

गौतम अडानी और अडानी समूह का मामला एक बार पुन: समाचार पत्रों की सुर्खियों में है। कुछ समय पूर्व यह मामला तब उठा था, जब हिडेनबर्ग रिपोर्ट में अडानी समूह द्वारा विदेश स्थित शैल कंपनियों के माध्यम से अपने शेयरों की कीमत बहुत बढ़ाने की रिपोर्ट सामने आई थी। इसमें अडानी समूह पर कई आरोप लगे थे। यह प्रकरण उच्चतम न्यायालय तक भी गया था। उच्चतम न्यायालय ने सेबी को इस बारे में जांच करने के लिए कहा। सेबी ने अदानी समूह को क्लीन क्लीन चिट दे दी थी, जबकि कई प्रकार के आरोप प्रमुख दृष्टिया सही प्रतीत होते थे। उच्चतम न्यायालय ने इस रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए प्रकरण को बंद कर दिया।

अब अडानी से ही सम्बंधित एक गंभीर प्रकरण फिर सामने आया है। गौतम अडानी एवं उनके भतीजे समीर अडानी के विरुद्ध अमेरिका के न्याय विभाग और सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन ने, विस्तृत जांच के पश्चात, फॉरेन करप्शन प्रिवेंशन एक्ट के अंतर्गत, उन्हें दोषी माना है। उन्होंने इस जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है। यह रिपोर्ट कुल 54 पेज की है।

अडानी ने भारत में कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त करने के लिए कई सरकारों के अधिकारियों को कुल लगभग 2000 करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत दी। अमेरिकी कानून के अनुसार यदि कोई उद्योग समूह अमेरिका के नागरिकों से निवेश हेतु धन एकत्रित करना चाहता है तो उसे यह स्पष्ट करना होता है कि उसके द्वारा विदेशों में किसी प्रकार की रिश्वत नहीं दी है। यदि कोई व्यक्ति या उद्योगपति अमेरिका के अलावा अन्य किसी देश में अपने उद्योग के व्यावसायिक हितों को बढ़ाने के लिए रिश्वत देता है तो वह अमेरिका के उक्त कानून के अंतर्गत अपराध है। न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर, इसके लिए, उसे सजा दी जा सकती है।

इसी जांच के दौरान मार्च 2023 में अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा गौतम अडानी एवं उनके भतीजे सागर अडानी को सम्मन जारी किया गया था। सागर अडानी के परिसर पर तलाशी की गई और कई लैपटॉप आदि उपकरण जब्त किए गए। उनके विरुद्ध जांच में यह निष्कर्ष निकला कि अडानी द्वारा भारतीय अधिकारियों को रिश्वत के रूप में 2000 करोड़ से अधिक की राशि दी गई। यह राशि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और जम्मू कश्मीर के साथ पावर सप्लाई एग्रीमेंट करने के लिए दी गई थी। अब यह प्रकरण अमेरिकी न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है और वहां के कानून के अनुसार जैसे ही अपराधिक प्रकृति का कोई प्रकरण वहां के न्यायालय में जाता है तो, अभियुक्त के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी हो जाते हैं। इसी क्रम में गौतम अडानी, समीर अदानी एवं विनीत जैन के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट अमेरिका के न्यायालय से जारी कर दिए हैं। इनके चलते, अब इनमें से कोई भी अमेरिका जाएगा तो उसे वहां गिरफ्तार किया जा सकता है।

भारत सरकार ने आदेश जारी किया हुआ है कि राज्य के विद्युत निगमों को एक निश्चित दर पर भारत सरकार के उपक्रम से बिजली क्रय करनी होगी। अडानी ने आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, ओडिशा और जम्मू कश्मीर की सरकारों के साथ पावर सप्लाई एग्रीमेंट किया। क्योंकि विद्युत खरीदने की तरह बहुत अधिक थी, इस एग्रीमेंट को करने के लिए अडानी ग्रुप द्वारा संबंधित राज्य सरकारों के अधिकारियों को कुल मिलाकर लगभग 2000 करोड रुपए से अधिक की राशि रिश्वत के रूप में दी गई। अधिकतम रिश्वत 1750 करोड़ रुपए आंध्र सरकार के अधिकारियों को दी गई। इसके पूरे प्रमाण अमेरिका के न्याय विभाग ने जुटा लिए हैं। और अब न्यायालय में उनके विरुद्ध प्रकरण चलेगा। गौतम अडानी के प्रत्यर्पण की मांग भी वहां के न्यायालय द्वारा की जा सकती है।

भाजपा का यह कहना है कि रिश्वत की राशि, कॉन्ग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की सरकारों के शासन में दी गई।

यह उल्लेखनीय है कि इन राज्यों में से केवल जम्मू एंड कश्मीर, जहां कि राष्ट्रपति शासन था और इस कारण भाजपा द्वारा संचालित है, शेष प्रदेशों में 2020 से 22 के बीच विपक्षी दलों की सरकारें थीं। उस समय आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, तमिलनाडु में डीएमके, उड़ीसा में बीजू जनता दल और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी।

अडानी समूह ने सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन के नियमों से संचालित प्रक्रिया के अनुसार अमेरिकी निवेशको से धन एकत्रित किया। अब यदि यह न्यायालय में सिद्ध होता है कि उन्होंने भारत में रिश्वत देकर अपनी कंपनी का काम बढ़ाने का कार्य किया है, तो वे अपराधी घोषित हो जाएंगे और इन्हें सजा दी जाएगी।

प्रश्न यह नहीं है कि उन्होंने रिश्वत की राशि भाजपा शासित सरकार के समय दी या अन्य विपक्षी दलों की सरकारों के शासनकाल में दी। प्रश्न यह है कि क्या अडानी ने अधिकारियों को रिश्वत की राशि दी ?

आजकल यह प्रवृत्ति हो गई है कि चुनावी जीत के आधार पर हर अनियमित, अनुचित कार्य को सही ठहराया जाता है। किसी भी दल द्वारा चुनाव जीतने पर केवल एक ही जवाब मिलता है कि जनता ने उस पर लगे सभी आरोपों को नकार कर, उसे समर्थन दिया है। यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है, अपितु केवल कुतर्क है।

भारत में जब पहले इसकी शिकायत हुई थी तब सेबी ने इस बारे में वह जांच नहीं की, जो अब अमेरिका की एजेंसीज ने की है। अमेरिका द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट का कितना प्रभाव अडानी समूह के व्यवसाय पर पड़ रहा है, यह इसी से स्पष्ट है कि केन्या सरकार ने रिपोर्ट आते ही, लगभग 6000 करोड़ का जो कॉन्ट्रैक्ट अडानी समूह को दिया जाना था, वह निरस्त कर दिया। अडानी समूह के जो बॉन्ड यहां भारत में जारी होने वाले थे, उसे भी स्थगित कर दिया गया है।

यह उल्लेखनीय कि अडानी ने सेबी को सूचित नहीं किया कि उनके विरुद्ध अमेरिका में आपराधिक प्रकरण दर्ज है, जबकि इसकी पूरी जानकारी उन्हें थी। गौतम अडानी को मार्च 2023 में ही सम्मन जारी हो चुके थे। सेबी को इस मामले में जानकारी न देना, धोखाधड़ी ही कहा जाएगा। इसके लिए उनके विरुद्ध करवाई सेबी को करनी चाहिए थी। अब इसमें वह कुछ कार्रवाई करेगा या नहीं, यह तो भविष्य ही बताएगा। किसी भी प्रकार की राशि, निवेशकों से इकट्ठा करने के लिए संबंधित कंपनी को यह घोषणा करनी होती है कि उसके विरुद्ध कोई अपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं है। ऐसा लगता है कि सेबी को दी गई सूचना में अडानी समूह ने, अमेरिका में उनके विरुद्ध चल रही जांच का कोई उल्लेख नहीं किया। जब सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को हिंडेनबर्ग रिपोर्ट के आधार पर जांच करने के लिए कहा था तो उसका यह दायित्व बनता था कि वह अडानी से इस बारे में स्पष्टीकरण प्राप्त करे। उसे, अमेरिका की एफ बीआई और, सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन से भी इस संबंध में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए थी। ऐसा न करके, सेबी और अडानी, दोनों ने निवेशकों को गुमराह करने का कार्य ही किया है। जिस संस्था की जिम्मेदारी, निवेशकों के हितों की रक्षा करना हो, वही ऐसा न करे, तो फिर यह सवाल तो किया ही जाएगा कि ऐसा किसके इशारे पर किया जा रहा था?

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बारे में गहराई से जांच करने की आवश्यकता महसूस नहीं की, यह आश्चर्य की बात है। मार्च 23 में मीडिया में यह समाचार आ चुके थे कि अमेरिका में सागर अडानी के परिसर की तलाशी ली गई थी एवं उनके कई इलेक्ट्रानिक उपकरणों को जप्त किया गया था। उस समय इस तथ्य को अडानी ने सेबी एवं अन्य संस्थाओं से छुपाया एवं केवल यह बयान देते रहे कि उनके विरुद्ध कोई केस नहीं है, एवं उनके विरुद्ध हिंडेनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोप आधारहीन हैं। सत्ताधारी दल के प्रवक्ताओं ने भी इसे देश की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की साजिश तक बताया। अब, जबकि यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि अमेरिका की सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन और फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने अपने स्तर पर जांच के बाद यह सही पाया है कि अडानी समूह द्वारा भारत में अधिकारियों को ऊर्जा आपूर्ति के समझौते करने हेतु रिश्वत की राशि दी गई, सबका झूठ सामने आ चुका है। इस बारे में, अब भी विस्तृत जांच सीबीआई और सेबी द्वारा की जानी चाहिए ताकि देश की जनता, विशेषकर निवेशकों के समक्ष स्थिति स्पष्ट हो सके। फिलहाल, अडानी समूह के लिए, इस रिपोर्ट के बाद, अब विदेशों से कहीं भी अपनी परियोजनाओं के लिए धन की व्यवस्था करना संभव नहीं होगा।

सत्ताधारी दल द्वारा यह कहा जा सकता है कि जनता इन आरोपों पर विश्वास नहीं करती है, क्योंकि यदि ऐसा होता तो, महाराष्ट्र में उसे इतना प्रचंड बहुमत नहीं मिलता। सबको यह समझने की आवश्यकता है कि चुनाव में जीत से, कोई भी गलत बात, सही नहीं हो जाती। आजकल यह प्रवृत्ति हो गई है कि चुनावी जीत के आधार पर हर अनियमित, अनुचित कार्य को सही ठहराया जाता है। किसी भी दल द्वारा चुनाव जीतने पर केवल एक ही जवाब मिलता है कि जनता ने उस पर लगे सभी आरोपों को नकार कर, उसे समर्थन दिया है। यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है, अपितु केवल कुतर्क है। जो बात गलत, अनुचित या अनियमित है वह केवल चुनाव जीतने से न तो सही हो जाती है न उचित हो जाती है एवं ना ही नियमित।

आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बड़ी धनराशि खर्च करके महल नुमा आवास मुख्यमंत्री के लिए बनाया, वह गलत था और गलत ही रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने द्वारा घोषित नोटबंदी के बाद लोगों को अत्यधिक परेशानी होने के बावजूद भी जब उत्तर प्रदेश के चुनाव में भाजपा को भारी सफलता मिली, तो उससे नोटबंदी का निर्णय सही सिद्ध नहीं हो जाता। अडानी को संरक्षण देना गलत ही रहेगा चाहे कितना ही बहुमत, लोकसभा या विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्राप्त हो जाए।

यह सर्वविदित है कि चुनाव जीतने के कई कारण होते हैं, जिनमें जाति-धर्म आदि प्रमुख हैं। ईमानदार सुशासन प्रदान करना, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए अच्छा कार्य करना एवं नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सरकार की भूमिका अच्छी तरह निभाना, यदा कदा ही चुनाव जिताते हैं। चुनावी विजय और सही-गलत का निर्णय करने हेतु पैमाने, एक नहीं हो सकते। किसी राजनीतिक दल को बहुत सफलता मिल जाए, तब भी, उनके द्वारा किए गए गलत कार्य, गलत ही रहेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा मणिपुर पर कोई व्यक्त वक्तव्य न देना, गलत था और वह गलत ही रहेगा।

भाजपा के प्रवक्ताओं द्वारा अडानी के प्रकरण में यह कहा जा रहा है कि जब तक कोई आरोप सिद्ध नहीं हो, उन्हें दोषी नहीं माना जा सकता। यही बात तो आम आदमी पार्टी के नेता कह रहे थे, जिस समय बिना आरोप सिद्ध हुए, केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह एवं कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं को लंबे समय तक जेल में रखा गया। दलों को को इस संबंध में दोहरे मापदंड अपनाने से बचना होगा।

संसद का सत्र 25 नवंबर से प्रारंभ हो रहा है और यह सत्र काफी तूफानी रहने की संभावना है। अमेरिकी जांच एजेंसी की रिपोर्ट को लेकर संसद में हंगामा होना तय है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

सादा जीवन-उच्च विचारों के धनी "बापू" के शिष्य "बाबू"

डॉ. जे.के. गर्ग

जब गांधी जी बिहार के चंपारण आये, तब उन्होंने राजेंद्र प्रसाद को स्वयंसेवकों के साथ चंपारण आने के लिए कहा। तब राजेन्द्र बाबू अनेक कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंच गये। वो गांधी जी की देश भक्ति की अटूट भावना से बहुत प्रभावित हो गये हुए। बापू से मिलने के बाद राजेंद्र बाबू का नजरिया पूरी तरह से बदल गया और उन्होंने खुद को देश को अंग्रेजो की गुलामी से आजाद करने का संकल्प ले लिया, उनका दृष्टिकोण पूरी तरह बदल गया और वो आजादी की लड़ाई में पूरी तरह से जुट गये। डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेताओं में शामिल हो गये। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और देश के पहले मंत्रिमंडल में 1946 से 1947 तक कृषि और खाद्य मंत्री का दायित्व भी निभाया। उनका जन्म 3 दिसंबर, 1884 को बिहार के तत्कालीन सारण जिले (अब सीवान) के जीरादेई गांव में हुआ था। उनके पिता महादेव सहाय संस्कृत एवं फारसी के विद्वान थे। माता कमलेश्वरी देवी एक धर्मपरायण महिला थीं। मात्र 12 वर्ष की उम्र में उनका विवाह राजवंशी देवी से हुआ।

कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया और 30 रुपये मासिक छात्रवृत्ति प्राप्त की। वर्ष 1902 में प्रसिद्ध कलकत्ता प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया। बाद में वह विज्ञान छोड़ कला संकाय में आ गये और अर्थशास्त्र में एमए और कानून में मास्टर की शिक्षा पूरी की। वर्ष 1930 में नमक सत्याग्रह में भाग लिया। वर्ष 1914 में बंगाल और बिहार में आयी भयानक बाढ़ के दौरान उन्होंने पीड़ितों की खूब सेवा की। 15 जनवरी, 1934 को जब बिहार में विनाशकारी भूकंप आया, तब वे धन जुटाने और राहत कार्यो में लग गये राहत का कार्य जिस तरह से व्यवस्थित किया गया था, उसने डॉ राजेंद्र प्रसाद के कौशल को साबित किया। इसके तुरंत बाद उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन का अध्यक्ष चुना गया। वे वर्ष 1934 से 1935 तक भारतीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उन्हें 1939 में सुभाष चंद्र बोस के बाद जबलपुर सेशन का भी अध्यक्ष बना दिया गया। 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में संविधान को पारित करते समय डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा कहे गये शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। जिन्दगी के अंतिम पडाव में उन्होंने अपना जीवन एक आम नागरिक का भाति सदाकत आश्रम में बिताया उनके लिए राष्ट्रपति भवन और सदाकत आश्रम एकसा था। 28 फरवरी, 1963 को वों पंच महाभूतों में विलीन हो गये। राजेन्द्र बाबू ने अनेको किताब लिखी अपनी आत्मकथा (1946 बापू के कदमों में बाबू (1954, इण्डिया डिवाइडेड (1946), सत्याग्रह ऐट चम्पारण (1922), गांधीजी की देन, भारतीय संस्कृति व खादी का अर्थशास्त्र इत्यादि उल्लेखनीय हैं।

प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू और बापूजी के शिष्य के जीवन के प्रेरणादायक संस्मरण

जब परीक्षा में प्रथम आने वाले का नाम उत्तीर्ण छात्रों सूची में नहीं था :- प्रिंसिपल ने एफ.ए. में उत्तीर्ण छात्रों के नाम लिए तो राजेन्द्र प्रसाद का नाम उस सूची में नहीं था। राजेन्द्र प्रसाद एक मेधावी छात्र थे उन्हें अपने आपको फेल होने पर रत्तीभर भी विश्वास नहीं हुआ क्योंकि उन्हें अपनी एफ.ए. की परीक्षा में सर्वोच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण होने का पूरा भरोसा था, इसलिए उन्होंने खड़े होकर प्राचार्य से कहा कि वे फेल नहीं हो सकते हैं इसलिए उन्होंने प्रिंसिपल से परीक्षा में हुए उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची को एक बार पुन: देख लेंने का अनुरोध किया, जिससे प्रिंसिपल ने क्रोधित होकर राजेन्द्र प्रसाद से कहा कि वह फेल हो गए होंगे अत: उन्हें इस मामले में तर्क नहीं करना चाहिए। राजेंद्र घबराते हुए बोले 'लेकिन, लेकिन सर' क्रोधित प्रिंसिपल ने कहा, 'पाँच रुपये ज़ुर्माना' राजेन्द्र प्रसाद साहस कर दोबारा बोले तो प्रिंसिपल चिल्लाये और बोले 'दस रुपया ज़ुर्माना'। राजेन्द्र प्रसाद बहुत घबरा गए। अगले कुछ क्षणों में ज़ुर्माना बढ़कर 25 रुपये तक पहुँच गया। एकाएक हैड क्लर्क ने राजेन्द्र को पीछे से बैठ जाने का इशारा किया और वे प्रिंसिपल से बोले कि सर एक गलती हो गई है, वास्तव में राजेन्द्र प्रसाद परीक्षा में प्रथम आए हैं। राजेन्द्र प्रसाद की छात्रवृत्ति दो वर्ष के लिए बढ़ाकर 50 रुपया प्रति मास कर दी गई। उसके बाद स्नातक की परीक्षा में भी उन्हें सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ। इस घटना के बाद राजेन्द्र प्रसाद ने यह जान लिया था कि आदमी को अपना संकोच को दूर कर आत्मविश्वासी बनना चाहिए।

कॉलेज में भोले भाले देहाती राजेन्द्र बाबू का पहला दिन सरल एवं निष्कपट स्वभाव वाला सीधा-साधा ग्रामीण युवक राजेन्द्र प्रसाद बिहार पहली बार 1902 में कलकत्ता में प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश हेतु आया था। अपनी कक्षा में जाने पर वह छात्रों को ताकते रह गये क्योंकि वहां सभी छात्र नगें सिर एवं सभी पश्चिमी वेशभूषा की पतलून और कमीज पहने थे इसलिये उन्होंने सोचा ये सब एंग्लो-इंडियन हैं किन्तु जब हाजिरी बोली गई तो राजेन्द्र को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वे सभी हिन्दुस्तानी थे। जब राजेन्द्र प्रसाद का नाम हाजिरी के समय नहीं पुकारा गया तो उन्होंने हिम्मत जुटा कर अपने प्रोफेसर को पूछा कि उनका नाम क्यों नहीं लिया गया। प्रोफेसर उनके देहाती कपड़ों को घूरता ही रहा एवं चिल्ला कर बोला– ठहरो, मैंने अभी स्कूल के लड़कों की हाजिरी नहीं ली है। राजेन्द्र प्रसाद ने हठ किया कि वह प्रेसीडेंसी कॉलेज के छात्र हैं और उन्होंने प्रोफेसर को अपना नाम भी बताया। अब कक्षा के सभी छात्र उन्हें उत्सुकतावश देखने लगे क्योंकि उस वर्ष राजेन्द्र प्रसाद विश्वविद्यालय में प्रथम आये थे, प्रोफेसर ने तुरंत अपनी गलती को सुधार कर ससम्मान उनका नाम पुकारा और इस तरह राजेन्द्र प्रसाद के कॉलेज जीवन की शुरुआत हुई।

एक बार राजेंद्र बाबू नाव से अपने गांव जा रहे थे। नाव में कई लोग सवार थे। राजेंद्र बाबू के नजदीक ही एक अंग्रेज बैठा हुआ था। वह बार-बार राजेंद्र बाबू की तरफ व्यंग्य से देखता और मुस्कराने लगता। कुछ देर बाद अंग्रेज ने उन्हें तंग करने के लिए एक सिगरेट सुलगा ली और उसका धुआं जान बूझकर राजेंद्र बाबू की ओर फेंकता रहा। कुछ देर तक राजेंद्र बाबू चुप रहे। लेकिन वह काफ़ी देर से उस अंग्रेज की इस हरकत को सहन नहीं पाये। उन्हें लगा कि अब उसे सबक सिखाना जरूरी है। कुछ सोचकर वह अंग्रेज से बोले, 'महोदय, यह जो सिगरेट आप पी रहे हैं क्या आपकी ही है?' यह प्रश्न सुनकर अंग्रेज व्यंग्य से मुस्कराता हुआ बोला, 'अरे, मेरी नहीं तो क्या तुम्हारी है? महंगी और विदेशी सिगरेट है।' अंग्रेज के इस वाक्य पर राजेंद्र बाबू बोले, 'बड़े गर्व से कह रहे हो कि विदेशी और महंगी सिगरेट तुम्हारी है। तो फिर इसका धुआं भी तुम्हारा ही हुआ न। उस धुएं को हम पर क्यों फेंक रहे हो? तुम्हारी सिगरेट तुम्हारी चीज है। इसलिए अपनी हर चीज संभाल कर रखो। इसका धुआं हमारी ओर नहीं आना चाहिए। अगर इस बार धुआं हमारी और आया तो सोच लेना कि तुम अपनी जुबान से ही मुकर रहे हो। तुम्हारी चीज तुम्हारे पास ही रहनी चाहिए, चाहे वह सिगरेट हो या इसका धुआं, राजेन्द्र बाबू की बात को सुनकर बेचारा अंग्रेज सकपकाया और उसने अपनी जलती हुई सिगरेट को बुझा दिया।

भारतीय संविधान के लागू होने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को उनकी सगी बहन भगवती देवी का निधन हो गया, लेकिन वे भारतीय गणराज्य के स्थापना की रस्म के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गये। राष्ट्रपति बनने पर भी उनका जनसाधारण एवं गरीब ग्रामीणों से निरंतर संमर्र्क बना रहा। वृद्ध और नाज़ुक स्वास्थ्य के बावजूद उन्होंने भारत की जनता के साथ अपना निजी सम्पर्क कायम रखा। वह वर्ष में से 150 दिन रेलगाड़ी द्वारा यात्रा करते और आमतौर पर छोटे-छोटे स्टेशनों पर रूककर सामान्य लोगों से मिलते और उनके दुख दर्द दूर करने का प्रयास करते।

उन दिनों डॉ. राजेन्द्र प्रसाद देश के गिने-चुने नामी वकीलों में गिने जाते थे। उनके पास मान-सम्मान और पैसे की कोई कमी नहीं थी। लेकिन जब गांधी जी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया तो राजेन्द्र बाबू ने वकालत छोड़ दी और अपना पूरा समय मातृभूमि की सेवा में लगाने लगे। अपने मित्र रायबहादुर हरिहर प्रसाद सिंह के मुकदमों की पैरवी के लिए उन्हें इंग्लैण्ड जाना पड़ा। वरिष्ट बैरिस्टर अपजौन इंग्लैंड में हरिहर प्रसाद सिंह का मुकदमा लड़ रहे थे उन्हीं के साथ राजेन्द्र बाबू को काम करना था। अपजौन राजेन्द्र बाबू की सादगी और पारिवारिकता से बहुत प्रभावित हुए। एक दिन किसी ने अपजौन को कहा कि राजेंद्र बाबू भारत के सफलतम वकीलों में से हैं किन्तु उन्होंने भारत को स्वतंत्र कराने हेतु अपनी वकालत त्याग दी है और वे असहयोग आन्दोलन में गांधीजी के निकटतम सहयोगी बन गये हैं। बैरिस्टर अपजौन को आश्चर्य हुआ

-डॉ. जे. के. गर्ग,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण खेत जलमग्न

कोटा, (निसं)। चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण भारी मात्रा में पानी खेतों में पहुंच गया है। बड़ी मात्रा में खेत भी जलमग्न हो गए हैं और नहर को बंद करने तक की नौबत आ गई। बाद में नहर में पानी का डिस्चार्ज कम करते हुए रिसाव को रोकने के लिए प्रयास शुरू किए गए। मामला कोटा जिले के दीगोद के नजदीक देवपुरा का है। ग्रामीणों ने इस संबंध में प्रशासन और चंबल कमांड एरिया (सीएडी) के अधिकारियों को सूचना दी।

- **किसानों का आरोप है कि नहरों की समय पर गुणवत्तापूर्वक मरम्मत नहीं होने के चलते समस्या आती है**

दीगोद एसडीएम दीपक महावर का कहना है कि सूचना मिलते ही सीएडी के अधिकारियों को मौके पर तुरंत जाने के लिए कहा और उचित दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर पहुंचे सीएडी के इंजीनियर ने बताया है कि रिसाव के चलते पानी का डिस्चार्ज आधा कर दिया है। खेतों में पानी नहीं जाए, इसके पूरे जतन किए जा रहे हैं। यह रिसाव रात से थोड़ा-थोड़ा शुरू हुआ था जो कि सुबह बढ़ गया। सुबह ही प्रशासन को इसकी जानकारी मिली थी।

किसान विनोद मेहरा का कहना है कि सुबह छह बजे लोगों ने देखा कि पानी खेतों में जा रहा है। नहर टूटी नहीं है लेकिन नहर की पाल के नीचे से रिसाव हुआ है। यह पानी आसपास के खेतों में भर गया है जिसकी चपेट में लगातार खेत आते जा रहे हैं। इनमें से कई खेत ऐसे हैं जिनमें फसल की बुवाई कर दी गई थी जबकि कुछ में बुवाई की तैयारी चल रही थी। अधिकांश किसानों ने लहसुन व गेहूं की बुवाई की है। किसान तत्काल रिसाव को बंद करने की मांग कर रहे थे।

दीगोद के नजदीक देवपुरा में चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण खेतों में पानी भर गया।

चंबल नदी में दाईं मुख्य नहर में अनुबंध के तहत मध्यप्रदेश को वर्तमान में पानी भेजा जा रहा है। ऐसे में मध्यप्रदेश और राजस्थान के टेल एरिया के किसानों को भी भरे सीजन में पानी नहीं पहुंचने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। किसानों का आरोप है कि नहरों के समय पर गुणवत्तापूर्वक मरम्मत नहीं होने के चलते ही यह समस्या आती है।

सेमेस्टर में आधे छात्रों को फेल करने पर विरोध

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के आरआर कॉलेज में बीएससी सैकंड ईयर के सैकंड सेमेस्टर के रिवाइज घोषित रिजल्ट में आधे छात्रों को फेल करने के विरोध में छात्रों ने कॉलेज गेट बंद कर विरोध किया। इसके अलावा चेतावनी दी है कि अभी विरोध सांकेतिक है उनका दुबारा एग्जाम नहीं हुआ तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा।

- **छात्रों ने दुबारा एग्जाम नहीं होने पर उग्र आंदोलन की बात कही**
- **नई शिक्षा नीति का हवाला देकर छात्रों को फेल किया**

छात्रनेता अंकित गुर्जर ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले बीएससी फर्स्ट ईयर के सेकंड सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित कर स्टूडेंट्स को प्रमोट किया था, ताकि यह सेकंड ईयर में बैठ सके, लेकिन अब डेढ़ महीने बाद दोबारा से रिजल्ट घोषित किया। नई शिक्षा नीति का हवाला देकर आधे से ज्यादा करीब 400 स्टूडेंट्स को फेल कर दिया। इस विषय पर कॉलेज प्रशासन से बातचीत करना चाहा तो उन्होंने नई शिक्षा नीति का हवाला देकर ऐसा करना बताया। अभिषेक जायसवाल ने बताया कि जब शुरुआती तौर पर फॉर्म भरे गए थे तब नई शिक्षा नीति की कोई जानकारी नहीं दी गई। करीब डेढ़ महीने पहले जिनको प्रमोट कर दिया। अब वापस उनका रिजल्ट देकर फेल दिखा दिया। हमारी मांग है कि जिनको फेल किया है उनका दुबारा एग्जाम हो, ताकि स्टूडेंट्स को नुकसान नहीं हो। ऐसा नहीं हुआ तो स्टूडेंट्स उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। जिसका जिम्मेदार यह कॉलेज प्रशासन रहेगा।

राशिफल मंगलवार 26 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, हस्त नक्षत्र रात्रि 4:35 तक, प्रीति योग दिन 2:13 तक, बव करण दिन 2:25 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 3:48 तक है। द्विपुष्कर योग रात्रि 4:35 से सूर्योदय तक है। राजयोग रात्रि 4:35 से आरम्भ होगा। आज बुध वक्री प्रात: 8:13 से होगा। आज उत्पन्न (वेतरणी) एकादशी, पदम प्रभु मोक्ष दिन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:36 से 10:55 तक, लाभ-अमृत 10:55 से 1:33 तक, शुभ 2:52 से 4:10 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:59, सूर्यास्त 5:29

मेष
स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सार-समाचार

रैली निकालकर विरोध जताया, दिया ज्ञापन

तारानगर, (निसं)। राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति ने सोमवार को तारानगर में विरोध रैली निकाल कर विरोध जताया। विद्युत निगम से रवाना हुई रैली नगरपालिका, रोडवेज बस स्टैंड होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचकर धरना देकर प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के बाद समिति ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर निजीकरण बंद करने की मांग की। कॉमरेड निर्मल कुमार ने बताया कि विद्युत क्षेत्र में उत्पादन प्रसारण एवं वितरण में भिन्न भिन्न प्रक्रियाओं एवं मॉडल के नाम पर किए जा रहे अंधाधुंध निजीकरण पर रोक लगाई जाए परंतु विद्युत प्रशासन द्वारा इन्हें रोकने पर अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए जा रहे अगर यही हाल रहा तो संघर्ष समिति द्वारा आंदोलन को ओर तेज किया जायेगा इस मौके पर सहायक अभियंता, शशिकांत कुलड़िया कॉमरेड निर्मल प्रजापत, कनिष्ठ अभिनता ओम प्रकाश, अनिता चौधरी, लालचंद, हरिसिंह, बजरंग शर्मा, नरेन्द्र, रामानंद पारीक, सुभाष, महेन्द्र पवन, धर्मेन्द्र सिंह जयप्रकाश, पलवी वर्मा, सुनिता, शंकर , महावीर शर्मा आदि मौजूद रहे।

विधायक भांबू ने की धनखड़ से मुलाकात

झुंझुनूं,(निसं)। झुंझुनूं के नवनिर्वाचित विधायक राजेंद्र भांबू जयपुर दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात करने के बाद झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू आरटीडीसी के पूर्व चैयरमेन रणदीप धनखड के जयपुर स्थित आवास पर पहुंचे। जहां शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आरटीडीसी के पूर्व चैयरमेन रणदीप धनखड ने राजेंद्र भांबू को जीत की बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही दोनों ने एक दूसरे का मुंह मीठा करवाया। इस दौरान दोनों को बीच झुंझुनूं के विकास को लेकर लंबी चर्चा भी हुई। भांबू ने बताया कि सबको साथ लेकर चलना और झुंझुनूं का विकास करना ही उनकी पहली प्राथमिकता रहेंगी। गौरतलब है कि झुंझुनूं विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के राजेंद्र भांबू ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर रिकॉर्ड बनाया है।

संविधान दिवस पर संगोष्ठी आज

चूरू, (का.सं.)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के मुख्य आतिथ्य में संविधान दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, सूचना जनसंपर्क विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा राजकीय विधि महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 26 नवंबर को सवेरे 10 बजे जिला मुख्यालय स्थित राजकीय विधि महाविद्यालय में प्रदर्शनी एवं गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक कुमार अजय ने बताया कि संविधान दिवस के उपलक्ष में संविधान निर्माण, संविधान सभा तथा संविधान से संबंधित रोचक तथ्योंष को लेकर प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इसी के साथ संविधान दिवस से संबंधित गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एस के सैनी ने प्रदर्शनी एवं गोष्ठी में अधिकाधिक सहभागिता की अपील की है।

मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को दिया

पाटन, (निसं)। राजस्थान विधुत संयुक्त संघर्ष समिति के आ ान पर पाटन विधुत कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों ने एक दिवसीय कार्य का बहिष्कार करते हुए मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को तथा ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के नाम का ज्ञापन सहायक अभियंता नरेश सिंह नरूका को सोंपा। पाटन अध्यक्ष जयराम वर्मा ने बताया कि विद्युत निगम निजीकरण को बंद करे, ठेका प्रथा निरस्त करे, जीपीएफ कटौती शुरू करने एवं निगम में 50 हजार स्थाई कर्मचारियों की भर्ती सहित अन्य श्रमिक मांगों को लेकर कर्मचारियों ने ज्ञापन सोपा है। कर्मचारियों में भारी आक्रोश है क्योंकि सरकार निजीकरण कर कर्मचारियों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है, अगर सरकार ने मांगों को नहीं माना तो जिला मुख्यालय पर विशाल प्रदर्शन 29 नवंबर को किया जाएगा। इस दौरान अजय सिंह तंवर, संदीप यादव, विकास, विक्रम सिंह, कौशिक, राजाराम, हंसराज, श्याम सुंदर, रणजीत सैनी, महेश सैनी, कृष्ण, संदीप शर्मा, राकेश यादव, सतीश गुर्जर, योगेश, राजा, बबलू ,चरण सिंह, मनोज, कुलदीप, सहित समस्त विद्युत कर्मचारी शामिल रहे।

भाजपा शहर मण्डल चुनाव पर्व की मीटिंग का आयोजन

सादुलपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल पर चुनाव पर्व की पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया के निवास स्थान पर मीटिंग आहुति की गई। जिसमें जिला महामंत्री चंद्राराम गुरी पधारे। सोमवार शाम पांच बजे दी जानकारी में बताया कि मीटिंग में जिला महामंत्री चंद्राराम गुरी ने संगठन चुनाव के बारे में विस्तार से बताया। नगर मंडल अध्यक्ष प्रदीप अत्रि की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में संबोधन किया गया। जिसमें चंद्राराम गुरी को सादुलपुर शहर की भाजपा मंडल की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया गया। मीटिंग में पूर्व प्रधान विमला पूनिया, विवेक पूनिया, पार्षद पति राजेंद्र बिजारणिया, पार्षद प्रतिनिधि अनुराग पूनिया, मुस्ताक प्रधान, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष बाबू खां बिसायती, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।।

लालगढ़ में क्षतिग्रस्त सड़क से उड़ने वाली धूल से ग्रामीण हो रहें हैं परेशान

खेतडी,(निसं)। खेतडी उपखंड के लालगढ के ग्रामीणों ने सडक की समस्या से परेशान होकर सोमवार को एसडीएम को ज्ञापन दिया है। इस दौरान ग्रामीणों ने ओवरलोड डंपरों के संचालन को बंद करने तथा क्षतिग्रस्त सडक पर नियमित रूप से पानी का छिडकाव करवाने की मांग की है। एसडीएम बंशीधर योगी को दिए ज्ञापन में बताया कि पपुरना से लालगढ जाने वाली सडक गांव से खनन क्षेत्र में जाती है। सडक से रोजाना सैकडों ओवरलोड डंपरों के गुजरने से सडक क्षतिग्रस्त हो गई है। सडक के क्षतिग्रस्त होने से आए दिन उडने वाली धूल से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पडा है। ग्रामीण पिछले कई दिनों से प्रशासन से सडक को दुरस्त कराने व ओवरलोड नंबरों के संचालन पर रोक लगाने की मांग कर चुके है, लेकिन प्रशासन की ओर से ग्रामीणों की समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं होने से ग्रामीण काफी परेशानी उठा रहे हैं। ओवरलोड डंपरों का संचालन अधिक होने से सडक में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं तथा कई जगह तो सडक का नामोनिशान ही मिट चुका है। सडक से उडने वाली धूल - मिट्टी से ग्रामीणजन सांस की बीमारी से पीडित हो रहें है। ग्रामीण बाबूलाल ने बताया कि क्षतिग्रस्त सडक से उडने वाली धूल लोगों को गंभीर बिमारियों का शिकार बना रही है। सडक का निर्माण कार्य चालू नहीं होने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड रहा है। सडक क्षतिग्रस्त होने से आए दिन ग्रामीण व राहगीर हादसों का शिकार भी हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यदि जल्द ही प्रशासन की ओर से ग्रामीणों की समस्या को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो ग्रामीणों की ओर से उपखंड कार्यालय के सामने भी आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान एसडीएम बंशीधर योगी ने आमजन की समस्या को देखते हुए जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निरंजन लाल सैनी, रेहान कुरैशी, अभिषेक सैनी, विष्णु नायक, सुरेश कुमार सैनी, विक्रम सैनी, योगेश सैनी, प्रकाश सैनी, जितेंद्र, दिपांशु, कर्ण सैनी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

लालगढ के ग्रामीणों ने सड़क की समस्या से परेशान होकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

- एसडीएम को ज्ञापन देकर की सडक पर नियमित पानी का छिडकाव करवाने की मांग

'सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास जरूरी'

चूरू,(का.सं.)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों लोगों की अकाल मृत्यु हो जाती है और उनके परिवारों में अंधेरा छा जाता है। इसलिए हम सभी को सड़क हादसों की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास करने चाहिए।जिला कलेक्टर सोमवार को डीओआईटी सभागार में आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की बैठक को संबोधित कर थे। सड़क हादसों की रोकथाम के लिए सभी को आपस में समन्वय स्थापित कर लोगों की सुरक्षा के लिए समुचित कदम उठाने चाहिए। इस दिशा में आमजन की जागरुकता भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। लोगों को जागरुक करने के लिए भी अभियान चलाए जाने चाहिए।इस दौरान यातायात प्रभारी सुभाष चंद, कमिश्नर अभिलाषा सिंह, सानिवि एक्सईएन बीएल सोनी, एडीपीआर कुमार अजय, रोजगार विभाग की सहायक निदेशक वर्षा जानू, विनोद कुमार, कन्हैयालाल ,पीयूष पाणी आदि मौजूद थे।

दिव्यांगजन, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण लोग है : सुण्डा

झुंझुनूं,(निसं)। आयुक्त एवं विशिष्ट शासन सचिव निदेशालय विशेष योग्यजन राजस्थान जयपुर द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को संबल प्रदान करने हेतु संयुक्त सहायता योजनान्तर्गत कृत्रिम/सहायक उपकरणों से लाभान्वित किये जाने हेतु ब्लॉकवार शिविर पंचायत समिति मुख्यालयों पर आयोजित किये जाने है। इस क्रम में सोमवार को सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक पंचायत समिति सभागार नवलगढ में दिव्यांग चिन्हीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में चिकित्सा विभाग एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के नि:शक्तता प्रमाण पत्र एवं कृत्रिम अंग उपकरण हेतु आवेदन पत्र तैयार करवाए गए। शिविर में कुल 38 दिव्यांगजन उपस्थित हुए जिनमें से 14 दिव्यांगो को नि:शक्तता प्रमाण पत्र जारी किए गए एवं कृत्रिम/सहायक उपकरणों हेतु 6 ट्राईसाईकिलन/वैसाखी/श्रवण यंत्र इत्यादि के आवेदन पत्र तैयार करवाए गए एवं 8 पालनहारों के वार्षिक सत्यापन करवाये गये। नि:शक्तता प्रमाण पत्रों का वितरण पंचायत समिति प्रधान दिनेश सुण्डा द्वारा किया गया। इस दौरान चिकित्सा विभाग से चिकित्सक डॉ. सुरेश भास्कर, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. सुधीर चौधरी, डॉ. शंकर लाल व डॉ. सचिन कुमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से जयकरण सिंह बुडानिया सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, बलवंत कुलदीप, दीक्षान्त शर्मा, अजय सिंह व प्रभुदयाल, पंचायत समिति से पूरणचंद सहायक लेखाधिकारी, राजेन्द्र सहायक लेखाधिकारी, संजय, सुरेन्द्र, राजेश ठठेरा, सुमित तथा पार्षद अदनान खत्री व पंचायत समिति सदस्य सुभाष लाम्बा चेलासी, परसरामपुर सरपंच करणीराम झाझड, सरपंच रामस्वरूप सैनी, नवलडी सरपंच प्रतिनिधि विद्याधर, रामपुर सरपंच प्रतिनिधि प्रहलाद सिंह, खिरोड सरपंच महावीर प्रसाद भामू आदि मौजूद रहें।

- पंचायत समिति सभागार नवलगढ़ में दिव्यांग चिन्हीकरण शिविर का आयोजन हुआ
- शिविर में चिकित्सा विभाग एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के निःशक्तता प्रमाण पत्र एवं कृत्रिम अंग उपकरण हेतु आवेदन पत्र तैयार करवाए

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गाड़ी, तीन घायल

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी से नीमकाथाना जाने वाली सड़क पर सोमवार सुबह एक गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में गाड़ी में सवार एक महिला सहित तीन जने घायल हो गए। हादसे में दो घायलों की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार मुकुंदगढ निवासी अभिमन्यु (12) पुत्र अनिल, उषा (28) पत्नी अनिल अपनी रिश्तेदारी में शामिल होने के लिए खेतड़ी के लूणा की ढाणी आए हुए थे। रविवार को अभिमन्यु, उषा व खेतड़ी निवासी कैलाश पुत्र कालूराम गाड़ी में सवार होकर लूणा की ढाणी से सेफरागुवार बारात में गए थे। सुबह जब वापस सेफरागुवार से अपने घर लूणा की ढाणी लौट रहे थे तो गांव पहुंचने से कुछ दूर पहले ही अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया। इस दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी करीब दस फीट खाई में गिर गई।

गहलोत सरकार में किये कार्यो की गिनाई उपलब्धि

सादुलपुर, (निसं)। नगर पालिका अध्यक्ष रजिया गहलोत का पांच वर्ष का कार्यकाल सोमवार को समाप्त हो गया तथा सोमवार शाम चार बजे पार्षदों, पूर्व नगरपालिका अध्यक्षों और पालिका कार्मिकों ने उनका अभिनंदन किया।

इस मौके पर रजिया गहलोत ने कहा कि उन्होंने पांच वर्ष तक शहर के विकास सहित कोरोना काल में भी जनहित ओर विकाश के काम को बाधित नहीं होने दिया। तथा सरकार की योजना अनुसार जरूरतमंद लोगों को पांच हजार पट्टो का वितरण कर लोगो को लाभान्वित किया है। उन्होंने कहा कि शहर की गांधी पार्क सहित सभी पार्कों का जीर्णोद्धार करवाने के साथ-साथ बस स्टैंड का निर्माण करवाया है। गहलोत ने कहा कि वार्ड नंबर 26 में गंदे पानी की निकासी व्यवस्था के लिए टेंडर जारी हो गए हैं तथा शीघ्र उनका काम भी शुरू हो जाएगा।

- रजिया गहलोत का कार्यकाल हुआ पूरा, कार्मिको, पार्षदों व पूर्व पालिका अध्यक्षों ने किया अभिनंदन

गहलोत ने कहा कि नगर पालिका में लगातार अधिशासी अधिकारी का पद रिक्त रहने के कारण विकास कार्य बाधित भी हुआ है, साथ ही कोरोना काल में कार्यबाधित हुआ, जिसका उनका बडा दुख है, उसके बावजूद बहुत से विकास करवाये गये, तथा पांच हजार से अधिक पटटे दिये। गहलोत ने कहा कि जाने अनजाने में गलती हुई हो तो माफी चाहती हूं। इस मौके पर सेवानिवृत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियाज मोहम्मद ने पांच साल तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मिले सहयोग के लिए सभी आभार जताया।

एलन सीकर की नीट ऑल इंडिया टॉपर प्राचिता को दिया 21 लाख का पुरस्कार

सीकर, (निसं) । एलन सीकर का वार्षिक उत्सव सारंग सूजन कैम्पस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई।

कार्यक्रम में एलन सीकर हेड सुरेन्द्र सहारण ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया और उन्हें आने वालो चुनौतियों का सामना करने के लिए उत्साहित किया। साथ ही, उन्होंने एलन सीकर के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि संस्थान ने हमेशा छात्रों को श्रेष्ठ शिक्षा और अवसर प्रदान किए हैं। सहारण ने बताया की पिछले जेईई व नीट (यूजी) के 12 परिणामों में से 10 परिणामों में एलन सीकर ने सीकर टॉप किया है जिसमें एक आल इण्डिया टॉपर भी है।इस अवसर पर कक्षा 6 से 10 के उत्कृष्ट छात्रों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। जिसमें छात्र-छात्रओं को सिल्वर मेडल, मोमेन्टो, गिफ्ट किट और नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नीट में प्रथम रैंक प्राप्त करने पर छात्रा प्राचिता को 21 लाख रूपये का नगद पुरस्कार, सिल्वर मेडल, मोमेन्टो व गिफ्ट किट से पुरस्कृत किया गया।

नीट में ऑल इण्डिया रैंक 94 प्राप्त करने पर छात्र उज्जवल कुमार को 2 लाख रूपये, ईशा कुमावत (एआईआर 198) को 51 हजार रूपये, इशित काचोलिया (एआईआर 203), मयंक सुधार (एआईआर 249) व प्रत्यक्ष (एआईआर 271) को 21-21 हजार रूपये का नगद पुरस्कार, सिल्वर मैडल, मोमेन्टो व गिफ्ट किट देकर सम्मानित किया गया। मेडिकल के साथ-साथ जेईई एडवांस में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। हिमांशु (एआईआर 74) को 3 लाख रूपये का नगद पुरस्कार, सिल्वर मेडल, मोमेन्टो व गिफ्ट किट देकर सम्मानित किया गया। अंकित (एआईआर 71), नक्षत्र सिहोटिया (एआईआर 337), विष्णु (एआईआर 407), दीपांशु ओलख 408), हर्षित कालेर (एआईआर 422) को 21-21 हजार रूपये का नगद पुरस्कार, सिल्वर मेडल, मोमेन्टो व गिफ्ट किट देकर सम्मानित किया। इस दौरान एलन सीकर के सेन्टर हैड सुरेन्द्र सहारण, एलन झुंझुनू सेन्टर हैड मदन छाबा, एलन सीकर के आईआईटी डिवीज़न हैड आशुतोष कौशिक, मेडिकल डिवीजन हैड ऋषभ शर्मा, पोएनसीएफ हैड अनिल बेरड़, एलन सृजन कैंपस प्रिंसिपल प्रमेन्द्र शेखावत और एलन झुंझुनू पीएनसीएफ डिवीजन हैड मौजूद रहे।पीएनसीएफ डिवीज़न हैड अनिल बेरड़ ने बताया की छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अकादमिक में भी शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें विद्यार्थीयों ने नेशनल लेवल के ओलम्पियाडस में अनेक मेडल व सर्टिफिकट प्राप्त किये है। जिसमें जतिन चाहर व प्रियांशु कटेवा ,श्रेया व यशराज बिजारणिया (ओसीएससी कैम्प) को 1-1 लाख रूपये का नगद पुरस्कार, सिल्वर मेडल, मोमेन्टो व गिफ्ट किट देकर सम्मानित किया गया। साथ ही राघव शर्मा को 51 हजार रूपये का नगद पुरस्कार, सिल्वर मेडल, मोमेन्टो व गिफ्ट किट देकर सम्मानित किया गया और गौरव घायल को 21 हजार रूपये का नगद पुरस्कार, सिल्वर मेडल, मोमेन्टो व गिफ्ट किट देकर सम्मानित किया गया।

नीट में प्रथम रैंक प्राप्त करने पर छात्रा प्राचिता को 21 लाख रूपये का नगद पुरस्कार, सिल्वर मेडल, मोमेन्टो व गिफ्ट किट से पुरस्कृत किया गया ।

- एलन सीकर ने मनाया वार्षिक उत्सव सारंग

माकपा ने प्रदर्शन कर न्यायिक अधिकारी से जांच कराने की मांग की

झुंझुनूं, (निसं)। माकपा ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और राजकीय बीडीके अस्पताल में जिंदा युवक को मृत बताकर फर्जी पोस्टमार्टम कर शमशान भेजने के मामले में जिला कलेक्टर को पत्र सौंपकर मामले की जांच न्यायिक अधिकारी से करवाने की मांग की है। डीवाईएफआई के तहसील सचिव योगेश कटारिया ने बताया कि मृतक युवक को संदिग्ध परिस्थिति में अस्पताल लाया गया था। हमें शक है कि युवक के साथ मारपीट की गई थी, बेहोश होने पर उसे भर्ती करवाया गया था। संस्था संचालन की जांच करवाई जाए। जानकारी के अनुसार मां सेवा संस्थान के बगड़ स्थित आश्रय गृह में रहने वाले मंदबुद्धि युवक रोहिताश (25) की 21 नवम्बर की दोपहर को तबीयत बिगड़ गई थी। उसे राजकीय बीडीके अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। बीडीके अस्पताल के डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पोस्टमार्टम के लिए बॉडी का मॉर्च्युरी में रखवा दिया था। इसके बाद पुलिस को बुलाकर पंचनामा बनाया गया और शव को एंबुलेंस की मदद से श्मशान घाट ले जाया गया। यहां रोहिताश की बॉडी को चिता पर रखा तो उसकी सांसें चलने लगी और शरीर हिलने लगा था। यह नजारा देखकर वहां मौजूद सभी लोग एकबार तो डर गए थे। इसके बाद तुरंत एंबुलेंस बुलाकर रोहिताश को वापस अस्पताल लाया गया था। कुछ घंटे बाद युवक को गंभीर हालात में जयपुर रैफर कर दिया गया था, जहां उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए झुंझुनूं जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने तीन डॉक्टरों को सस्पेंड कर दिया था। मृतक युवक की पहचान झुंझुनूं पुलिस के लाइन के पास रहने वाले बीरबल (22) पुत्र मांगीलाल जोधपुरिया के रूप में हुई थी। वह मानसिक रूप से विमंदित था। उसके पिता मांगीलाल का निधन हो चुका है। मां देखभाल करती थी। जनवरी 2024 में बीरबल घर से निकल गया था। परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दी थी। उसका कोई पता नहीं चल पाया था। 28 सितंबर को बगड़ थाना पुलिस ने उसे आदर्श नगर स्थित विमंदित पुनर्वास केंद्र में छोड़ा था। तब से वह पुनर्वास केंद्र में ही रह रहा था। मामले सामने आने के बाद मृतक युवक के भाइयों व अन्य रिश्तेदारों ने उसकी पहचान की थी। इस दौरान महिपाल पूनिया,विजय यादव, रामचन्द्र, दीपक, कृष्ण, बिलाल सहित मृतक युवक के परिजन मौजूद रहे।

- झुंझुनूं में राजकीय बीडीके अस्पताल में जिंदा युवक का पोस्टमार्टम का मामला

विद्युत निगम कार्मिकों ने किया धरना प्रदर्शन

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के आ ान पर विद्युत क्षेत्र में उत्पादन प्रसारण एवं वितरण निगम में भिन्न-भिन्न प्रक्रिया एवं मॉडल के नाम पर किए जा रहे अंधाधुंध निजीकरण पर रोक लगाने की मांग को लेकर सोमवार को सुबह से लेकर दोपहर 01 बजे तक कार्मिकों ने धरना देकर विरोध जताया तथा मांग के समर्थन में मुख्यमंत्री के नाम निगम के सहायक अभियंता शहरी और ग्रामीण को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्ष 2004 के बाद नियुक्त कार्मिकों की ईपीएफ कटौती बंद कर जीपीएफ कटौती शुरू करने की मांग की गई एवं निगम में स्थाई कर्मचारियों की भर्ती करने की मांग को लेकर आक्रोश जताया। इस मौके पर विद्युत मजदूर कांग्रेस, विद्युत श्रमिक महासंघ, विद्युत तकनीकी कर्मचारी संगठन, पॉवर इंजीनियरिंग एसोसिएशन, विद्युत लेखाकार संघ, विद्युत मंत्रालय कर्मचारी संघ सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों का तीन दिवस में निस्तारण करना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

सीकर ,(निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलेक्टर ने बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों को तीन दिवस में निस्तारण करने के निर्देश दिये ।

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल, ई-फाईल डिस्पोजल में समय कम लगाने के संबंध में निर्देशित किया तथा जिन विभागीय अधिकारियों का डिस्पोजल टाईम 15 घण्टे से अधिक आ रहा हैं, उन सभी को कारण बताओं नोटिस जारी करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जिले में मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं के संबंध में सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग की भू आवंटन की प्रगति अपलोड़ करवायें। उन्होंने बजट घोषणाओं का त्वरित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, सीएचसी, पीएचसी के भवन निर्माण के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही करने, अधीक्षण अभियन्ता जलदाय को पेयजल के समुचित प्रबंध रखते हुए पानी के लिकेज दुरस्त करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि खण्डेला क्षेत्र में समर कंटीजेंसी के पेयजल कनेक्शन करवाने के साथ ही कृषकों को कृषि कनेक्शन प्राथमिकता से करने, कृषि विभाग को किसानों के लिए गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज की उपलब्धता रखने के बारे में निर्देशित किया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तर पर 12 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले जिला स्तरीय प्रदर्शनी, जिला दर्शन पुस्तिका विमोचन, महिला सम्मेलन, युवा सम्मेलन, किसान सम्मेलन सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिसके संबंध में समस्त जिला स्तरीय अधिकारी अपेक्षित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर को ऋण बैंकों से स्वीकृत करवाने, स्वच्छता सर्वेक्षण कार्य में गति लाने, श्री इंदिरा रसोई में भोजन की गुणवत्ता की जांच करने तथा अग्रणी जिला प्रबंधक को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक माह समस्त बैंकर्स की बैठक लेकर पीएम स्वनिधि योजना में आवेदकों को ऋण स्वीकृत करवायें ताकि वे अपना स्वरोजगार स्थापित कर सके। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, औषधि नियंत्रण अधिकारी को कोचिंग संस्थाओं के आस-पास मादक प्रदार्थों की बिक्री की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्यवाही करने तथा पेंशनर्स के वन विभाग के 1, सीएमएचओं के 4, नगर परिषद 3 सहित अन्य विभागों के लम्बित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर भावना शर्मा ने लाईट्स पोर्टल के प्रकरणों का समयबद्धता से निस्तारण करने तथा कंटेंप्ट आफ कोर्ट के मामलों में रिप्लाई फाइल करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला परिषद के सीईओ राजपाल यादव, सीएमएचओ डॉ निर्मल सिंह, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत अरूण जोशी, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी चुन्नी लाल भास्कर, संयुक्त निदेशक डीओआईटी एसएन चौहान, सहायक निदेशक पूरणमल, नगर परिषद आयुक्त शशीकांत शर्मा, एडीपीसी राकेश कुमार लाटा, सहायक निदेशक प्रशासनिक सुधार विभाग इंदिरा शर्मा, सीपीओ अरविन्द सामौर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

- साप्ताहिक बैठक में अनुपस्थित रहने वाले जिला स्तरीय अधिकारियों को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

कार्यालय नगरपरिषद झुन्झुनूं
Email – jhunjhunu.jaipur@gmail.com

क्रमांक : न.प.झु./2024-25/9404 दिनांक : 20.11.2024

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् झुन्झुनूं क्षेत्र ODF++ घोषित किया जा रहा है। अतः क्रमांक व 8 (ग) (ठोस अपशिष्ट) नियम/डीएलबी/19/26213 जयपुर दिनांक 12.04.2019 के अनुसरण के तहत निम्नलिखित कृत्य पाये जाने पर अंकित जुर्माना वसूल किया जावेगा रू.

क्र. स.	कृत्य	जुर्माना राशि
1.	दुकानदारों/होटलो/रेस्टोरेन्ट मालिको द्वारा कचरा रोड /गली में डालने पर	500-1000/- प्रतिदिन
2	रहवासीयों भवनों के निवासीयों द्वारा रोड/गली में कचरा फैलाने पर	75/- प्रतिदिन
3	दुकानदारों को बिना कचरा पात्र पाये जाने पर	500/- प्रतिदिन
4	प्लास्टिक कैरी बेग का उपयोग करते पाये जाने पर	75/- प्रतिदिन
5	बल्क वेस्ट जनरेटर द्वारा जनित्र बायोडिग्रेडेबल वेस्ट को उनके परिसर में उपचारित (Tretment / self composting) नही किये जाने पर	3000/- प्रतिदिन
6	खुले में नहाने /पैशाब/शौच/थुकने पर	100-200/- प्रतिदिन
7	किसी भी निजी खाली प्लाट/भूमि पर कचरा /गोबर पाये जाने पर	2500/- प्रतिदिन
8	कचरा जलाने पर	200/- प्रतिदिन
9	सुखा कचरा , गीला कचरा अलग नही करने पर	100/- प्रतिदिन
10	अपने मकानों, संस्थानों ,दुकानों का गन्दे पानी का निकास आम रास्ते में करने पर	2500/- प्रतिदिन
11	घरों मे कचरा पात्र में इक्कठा नहीं किये जाने पर	100/- प्रतिदिन
12	पालतु जानवरों के मालिकों द्वारा पालतु जानवरों से कचरा फैलाने व खुले मे शौच कराने पर	100/- प्रतिदिन
13	निजी मकान दुकान इत्यादि के निर्माण का मलबा व सामग्री सरकारी भुमि मे डालने पर	500/- प्रतिदिन
14	विवाह स्थल द्वारा बाहर कचरा डालने पर	3000/- प्रतिदिन
15	आम रास्ते पर खुले में या टेन्ट लगाकर मांस - मछली पकाने व अंश रास्ते पर डालने पर	2000/- प्रतिदिन
16	हेयर कटिंग सैलून वालों द्वारा आम रास्तो पर गन्दगी, बाल इत्यादि डालने पर	250/- प्रतिदिन

राज.संवाद/सी/24/8250 आयुक्त

स्कूटी सवार महिला को बचाने में जीप पलटी, पांच पुलिसकर्मी घायल

उच्चैन थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहा था, सेवर तिराहे पर हादसा हुआ

भरतपुर, (निसं)। उच्चैन थाने की जीप एक स्कूटी सवार महिला को बचाने में पलट गई। घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से 4 पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक पुलिसकर्मी को प्राथमिक इलाज देकर छुट्टी दे दी गई है। थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहा था। इस दौरान यह हादसा हुआ।

एएसपी सतीश कुमार ने बताया कि घटना सुबह करीब 9 बजकर 30 मिनट की है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चल रहा है। थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहे थे। इस दौरान सेवर थाना इलाके में सेवर तिराहे स्थित रूद्र होटल से एक स्कूटी सवार महिला लापरवाही से पुलिस की जीप के आगे आ गई। स्कूटी सवार महिला को बचाने के चक्कर में पुलिस की जीप अनियंत्रित हो गई और तीन से चार पलटी खा गई। जीप में बैठे एएसआई कंचन सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर जयसिंह, हेड कांस्टेबल ब्रह्म स्वरूप, हेड कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह, कांस्टेबल विश्वेंद्र सिंह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पांचों पुलिसकर्मियों को जीप से बाहर निकाला। घटना की सूचना सेवर थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद सभी को आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। कांस्टेबल विश्वेंद्र के मामूली चोट आई हैं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। वहीं कंचन सिंह को ज्यादा चोटें आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद एसपी मृदुल कच्छावा और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और सभी घायल पुलिसकर्मियों से घटना को लेकर बात की। चारों पुलिसकर्मियों का आरबीएम अस्पताल में इलाज जारी है।

हादसे के बाद घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

- लोगों ने पांचों पुलिसकर्मियों को जीप से बाहर निकाला और सभी को अस्पताल में भर्ती करवाया

कपड़े के गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का कपड़ा जला

महावीर मार्ग में कपड़े के गोदाम में लगी आग से कपड़ा व सामान जल गया।

मालपुरा, (निसं)। शहर के अति व्यस्त महावीर मार्ग में सोमवार को कपड़ा व्यापारी के कपड़ों के गोदाम में लगी आग से लाखों रूपयों का कपड़ा व घरेलू सामान जलकर हुआ राख। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पालिका दमकल ने आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर करीब दो बजे महावीर मार्ग में कैलाश डेठाणी की कपड़े की दुकान नवीन टेक्सटाईल के तीसरे माले पर गीजर में हुये शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते विकराल हुई आग ने पास ही कपड़ो के गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। कपड़ों में लगी आग से उठे धुंआ के गुबार निकलने पर पड़ोसी व्यापारियों ने कैलाश जैन को सूचना दी। मौके पर पहुंची नगरपालिका दमकल की सहायता से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। लेकिन आग और ज्यादा विकराल हो गई। तकरीबन एक दर्जन फायर सिलेंडरों से भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। बापू गैस एजेन्सी के कार्मिको ने तत्काल कमरे में कूदकर गीजर में लगे गैस सिलेंडर को सुरक्षित निकाल लेने से बड़ा हादसा होने से टल गया।

- गीजर में हुये शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने पास ही कपड़ों के गोदाम को चपेट में ले लिया

सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस उप अधीक्षक आशीष प्रजापत व मालपुरा थाने का भारी पुलिस जाप्ता तत्काल बाजार में पहुंचा। एएसआई रामनारायण गुर्जर सहित थाने के जवानों ने कडी मशक्कत कर मकान से परिवारजनों को सुरक्षित निकाल आमजन के सहयोग से आग पर काबू पा लिया।

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर 50 लाख की रंगदारी मांगी

पीड़ित को मैसेज किया कि रुपए नहीं दिए तो जान की कीमत चुकानी पड़ेगी

भरतपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कुम्हेर गेट निवासी विवेक शर्मा से लॉरेंस विश्नोई के नाम पर कॉल कर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। पीड़ित व्यक्ति को मैसेज कर कहा गया है कि अगर रुपए नहीं दिए तो जान की कीमत चुकानी पड़ेगी। मामले को लेकर पीड़ित ने कोतवाली पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है। मामला दर्ज होते ही पुलिस जांच में जुट गई है।

पीड़ित विवेक शर्मा ने बताया कि उसके पास 15 नवंबर को कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस विश्नोई का सदस्य बताते हुए 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। मैंने फोन काट दिया। उसके बाद एक धमकी भरा मैसेज आया और उसमें लिखा था कि आगे के मैसेज विश्नोई ग्रुप से मिलेंगे। 23 नवंबर को शाम को मैसेज आया जिसमें धमकी भरे लहजे में लिखा था 50 लाख रुपए तैयार रखना, कल फोन करेंगे। पैसा नहीं दिया गया तो गोली मार दी जाएगी, लॉरेंस विश्नोई गिरोह, जय श्री राम।

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि पीड़ित ने पुलिस में मामला दर्ज करा दिया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस टीम गठित कर जांच की जा रही है। जिन नंबर से कॉल और मैसेज किए गए है उनकी जांच तकनीकी सर्विलांस की सहायता से की जा रही है। जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा करेंगे।

जानकारों की माने तो यह जो रंगदारी मांगी गई है इसका तरीका लॉरेंस विश्नोई की गैंग जैसा नहीं है। लॉरेंस विश्नोई की गैंग द्वारा जब भी किसी के पास फोन किया जाता है तो विदेशी नंबर होते हैं, लेकिन भरतपुर के व्यक्ति को जिस नंबर से फिरौती मांगी गई है, वह सामान्य नंबर और टैक्स्ट मैसेज किया गया है।

लाखों के जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में सूने मकान का अज्ञात चोर ताला तोड़ कर लाखों के जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पीड़ित हरिहर नगर श्रीनगर अम्बामाता निवासी पवन सोनी पुत्र नारायणलाल सोनी ने अम्बामाता पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि 23 मई को परिवार सहित रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में गए थे। वहां से लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो करीब नौ लाख के सोन- चांदी के जेवरात तथा 1 लाख 25 हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर चोरी गए जेवरात की सूची बाद में देने की रिपोर्ट दी है।

नशीले कैप्सूल के साथ एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के पदमपुर की ऋद्धि-सिद्धि कॉलोनी में पुलिस ने रविवार शाम एक बदमाश को 360 नशीले कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी इसी एरिया के गांव 18 बीबी का रहने वाला है। पुलिस को कस्बे की ऋद्धि-सिद्धि कॉलोनी में एक बदमाश के पास नशीले कैप्सूल होने की जानकारी मिली। इस पर एएसआई महेंद्र कुमार को मौके पर भेजा गया। पुलिस को कॉलोनी की जिस लोकेशन पर युवक के खड़े होने के जानकारी मिली थी, वहां पहुंचते ही मौके पर मौजूद युवक घबरा गया। इस पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। उसके पास 360 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। आरोपी बिंद्रसिंह पुत्र ज्ञानसिंह ने बताया कि वह गांव 18 बीबी का रहने वाला है। पुलिस उसे थाने ले आई। उससे नशीले कैप्सूल लाने के पीछे उसके इरादे के बारे में पता लगाया जा रहा है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह यह नशीले कैप्सूल कहां से लाया है। जिले के पदमपुर में नशे का कारोबार काफी बढ़ा हुआ है। पहले भी यहां नशीले कैप्सूल पकड़े जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

अवैध बजरी से भरा ट्रक जब्त

निवाई, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक केन्ट्रा ट्रक को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान गांव मूंडिया बाईपास पर पानी की टंकी के पास से बजरी परिवहन करने पर एक टाटा केन्ट्रा गाड़ी को जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि चालक रतन लाल पुत्र हरजीराम गुर्जर निवासी जेबाडिया थाना बरोनी को गिरफ्तार कर गाड़ी को जब्त करके थाने में खड़ा करवा दिया है।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गाड़ी, तीन घायल

दो गंभीर घायलों को नीमकाथाना अस्पताल रैफर किया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी से नीमकाथाना जाने वाली सड़क पर सोमवार सुबह एक गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में गाड़ी में सवार एक महिला सहित तीन जने घायल हो गए। हादसे में दो घायलों की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार मुकुंदगढ निवासी अभिमन्यु (12) पुत्र अनिल, उषा (28) पत्नी अनिल अपनी रिश्तेदारी में शामिल होने के लिए खेतड़ी के लूणा की ढाणी आए हुए थे। रविवार को अभिमन्यु, उषा व खेतड़ी निवासी कैलाश पुत्र कालूराम गाड़ी में सवार होकर लूणा की ढाणी से सेफरागुवार बारात में गए थे। सुबह जब वापस सेफरागुवार से अपने घर लूणा की ढाणी लौट रहे थे तो गांव पहुंचने से कुछ दूर पहले ही अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया। इस दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी करीब दस फीट खाई में गिर गई।

हादसे में गाड़ी में सवार व्यक्ति घायल हो गए। हादसे के दौरान आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायलों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में पहुंचाया। हादसे में घायल अभिमन्यु पुत्र अनिल व कैलाश पुत्र कालूराम की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया, जबकि घायल उषा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे की सूचना पर खेतड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मौका मुआयना किया तथा क्रेन की मदद से गाड़ी को खाई से बाहर निकाला। हादसे में गाड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

अल्टो कार पर पलटा बेकाबू ट्रेलर, दंपती की दर्दनाक मौत

सड़क पर आए मवेशी को बचाने के चक्कर में ट्रेलर बेकाबू हो गया था

जोधपुर, (कासं)। सड़क पर आए मवेशी को बचाने के चक्कर में एक ट्रेलर बेकाबू होकर पीछे चल रही अल्टो कार पर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर के नीचे दबने से अल्टो कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे में भतीजे की शादी से लौट रहे कार सवार ज्वैलर और उनकी पत्नी की मौत हो गई। एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला जा सका। मामला जोधपुर के पीपाड़ के मेगास्टेट हाईवे 21 दांतीवाड़ा-मेड़ता पर मालावास के पास रविवार रात हुआ।

पीपाड़ एसएचओ चुनीलाल ने बताया कि मेड़ता शहर की पंडित दीनदयाल कॉलोनी में रहने वाले खेमराज सोनी (36) और उनकी पत्नी मोनिका सोनी (34) पीपाड़ में भतीजे के शादी समारोह में शामिल होने आए थे। लौटते समय पीपाड़ से करीब दस किलोमीटर दूर मालावास के पास उनके आगे चल रहे ट्रेलर के सामने अचानक एक मवेशी आ गया। इसे बचाने के चक्कर में ट्रेलर ड्राइवर ने कट मार दिया, जिससे ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया और खेमराज की कार ट्रेलर के नीचे दब गई। ट्रेलर में चूना पाउडर से भरे करीब 60 टन वजनी कट्टे लदे हुए थे। इतने भारी ट्रेलर के नीचे दबने से कार बुरी तरह पिचक गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घटना स्थल पर पहुंच कर तीन क्रेन और दो जेसीबी की मदद से ट्रेलर को हटवाया। इसके बाद काफी मशक्कत से कार के अंदर फंसे खेमराज और मोनिका को बाहर निकाला। खेमराम की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं पत्नी मोनिका की सांसे चल रही थी, लेकिन पीपाड़ हॉस्पिटल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया।

- भतीजे की शादी के बाद गणेशजी की थाली कार्यक्रम में शामिल होकर दंपती मेड़ता सिटी लौट रहे थे
- हादसे में भतीजे की शादी से लौट रहे कार सवार ज्वैलर और उनकी पत्नी की मौत हो गई
- चूना पाउडर से भरे करीब 60 टन वजनी कट्टे लदे ट्रेलर के नीचे दबने से कार बुरी तरह पिचक गई

घर पर ही थे बेटा-बेटी :- गत 22 नवम्बर को पीपाड़ में खेमराज के भतीजे की शादी थी। शादी के बाद रविवार को गणेशजी की थाली का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद खेमराज अपनी पत्नी मोनिका के साथ मेड़ता सिटी लौट रहे थे। खेमराज मेड़ता शहर के नन्हा बाजार में ज्वैलरी की दुकान संचालित करते थे। उनके परिवार में सात साल का बेटा और पांच साल की बेटी है। दोनों बच्चों ने माता-पिता को खो दिया। वे दोनों शादी में नहीं गए थे।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

क्रमांक : विद्युत/2024-25/910 दिनांक :- 22.11.24

ई- बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 07/2024-25

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विद्युत सम्बंधित 02 कार्य जिनकी कुल अनुमानित लागत राशि 48.7 लाख के कार्य हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 04.12.24 समय सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकरी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No UNP2425WSRC00144

राज.संवाद/सी/24/8253 आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR

File No. 3199 **Notice Inviting Bid** Date 20.11.2024

NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09936
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09937
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09938
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09939
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09940
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09942
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09943

Bids For NIT No. 09/2024-25 Misc. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 25.11.2024 11.00 AM to Date 06.12.2024 upto 6.00 PM. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 78.45 Lacs

(D.K. Gupta)
Executive Engineer
PWD Division Dholpur

DIPR/C/11606/2024

कार्यालय नगर पालिका अकलेरा जिला झालावाड (राज.)

क्रमांक :- न.पा.अ./2024/1605 दिनांक :- 20/11/2024

ई-निविदा सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या:-न.पा.अ./2024/1591-1593 दिनांक 18/11/2024 के द्वारा MP-LADS निधि से कुल 13 कार्य की अनुमानित लागत 40.86 लाख रू0 की पंजीकृत संवेदको से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No. DLB2425WSOB12059, DLB2425WSOB12060, DLB2425WSOB12061, DLB2425WSOB12062, DLB2425WSOB12063, DLB2425WSOB12064, DLB2425WSOB12065, DLB2425WSOB12066, DLB2425WSOB12067, DLB2425WSOB12068, DLB2425WSOB12069, DLB2425WSOB12070, DLB2425WSOB12071

अध्यक्ष नगर पालिका मांगरोल | अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मांगरोल

राज.संवाद/सी/24/8241

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत सवाई माधोपुर

क्रमांक-लेखा/2024-25/डी-1898 दिनांक-20.11.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-07/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर परिवर्तित बजट घोषणा 17.01/2024-25 के अन्तर्गत जिला सवाई माधोपुर की नगर परिषद सवाई माधोपुर एवं नगर पालिका बौली में सडक निर्माण कार्य हेतु मय पांच वर्ष की मरम्मत एवं संधारण की अवधि लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" एवं "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 2 पैकेजों हेतु जिनकी कुल राशि 259.00 लाख है, प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार UBN संख्या निम्नानुसार है।

NIB NO. - PWD2425A2751
UBN NO. - 1- PWD2425WSOB09982, 2- PWD2425WSOB09983

(हरिसिंह मीना)
अधीक्षण अभियंता
सा.नि.वि. वृत सवाई माधोपुर

DIPR/C/11640/2024

कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली

क्रमांकः-न.प.हि./2559 दिनांकः-22.11.2024

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2024-25 ::-

नगर परिषद हिण्डौन सिटी की ओर से हिण्डौन शहर के ड्रेनेज सिस्टम की डीपीआर निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी के नगर परिषद/नगर निगमों/नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि केन्द्र/राजस्थान सरकार की सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/फर्मो से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है। UBN NO. DLB2425WSOB12261

समापति
नगर परिषद हिण्डौन सिटी

आयुक्त
नगर परिषद हिण्डौन सिटी

राज.संवाद/सी/24/8246

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/174 - 176 Date : 22/11/2024

ई-निविदा सूचना संख्या : 49/2024-25

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 47.96 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 23.11.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 03.12.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 23.11.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 03.12.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 04.12.2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2425WSOB00372, ITU2425WSOB00373

अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/24/8217

विश्वराज सिंह मेवाड़ का चित्तौड़ के फतह प्रकाश महल में राजतिलक हुआ

चित्तौड़गढ़ में विश्वराज सिंह मेवाड़ को गद्दी पर बैठाने की परंपरा निभाई गई

उदयपुर, (कासं)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के महाराणा महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बेटे विश्वराज सिंह मेवाड़ का सोमवार को चित्तौड़ के फतह प्रकाश महल में राजतिलक हुआ। इसमें मेवाड़ के राव उमराव सहित हजारों लोग शामिल हुए। चित्तौड़गढ़ में विश्वराज सिंह मेवाड़ को गद्दी पर बैठाने की परंपरा निभाई गई। लोकतंत्र आने के बाद राजशाही खत्म हो गई है, लेकिन प्रतीकात्मक यह रस्म निभाई जाती है। सोमवार को चित्तौड़गढ़ किले के फतह प्रकाश महल में दस्तूर (रस्म) कार्यक्रम के दौरान खून से राजतिलक की रस्म हुई।

ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर लगभग 493 साल बाद राजतिलक की रस्म का आयोजन फतह प्रकाश महल प्रांगण में हजारों राजपूत समाजजनों के बीच धार्मिक और पारम्परिक रीति रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। विश्वराज सिंह इस गद्दी पर बैठने वाले एकलिंगनाथजी के 77वें दीवान हुए। कार्यक्रम मेवाड़ के राव उमराव, ठिकानेदार पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे वहीं देश के कई राजपरिवारों के मुखिया या प्रतिनिधि, सामाजिक, शिक्षा, राजनीतिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों के भी कई प्रमुख, मेवाड़ के कई संत महात्मा और विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मेवाड़ की परंपरा अनुसार सलूंबर रावत देवव्रत सिंह ने राजतिलक की परंपरा निभाई। उसके बाद उमराव, बत्तीसा अन्य सरदार और सभी समाजों के प्रमुख लोगों ने नजराने पेश किये। इस मौके पर मौजूद अतिथियों ने आयोजन को इतिहास दौहराने वाला बताते हुए विश्वराज सिंह पर एकलिंग दिवान का दायित्व निर्वहन करने का विश्वास जताया। चित्तौड़गढ़ किले में राजतिलक की रस्म के दौरान विश्वराज सिंह को 21 तोपों की सलामी दी गई। विश्वराज सिंह वर्तमान में नाथद्वारा से विधायक भी हैं।

महाराणा महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ का राजतिलक हुआ।

- पारिवारिक विवाद के चलते उदयपुर में सुबह से सिटी पैलेस के मुख्य द्वार बंद रहे

विश्वराज सिंह के राजतिलक की रस्म पर विवाद छिड़ा :- उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व सांसद महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बड़े बेटे विश्वराज सिंह के राजतिलक की रस्म पर विवाद छिड़ गया है। महेंद्र सिंह मेवाड़ के भाई और विश्वराज के चाचा अरविंद सिंह मेवाड़ के परिवार ने परंपरा निभाने से रोकने के लिए उदयपुर के सिटी पैलेस के दरवाजे बंद कर दिए। वहीं आम सूचना प्रकाशित करके एकलिंग मंदिर में भी अनाधिकृत प्रवेश पर रोक लगा दी। हालांकि पारिवारिक विवाद के चलते सोमवार को उदयपुर में सिटी पैलेस के दोनों प्रमुख द्वारा सुबह से ही बंद रहे। इधर उदयपुर के सिटी पैलेस के दोनों मुख्य गेट बंद रहने के साथ ही सुबह से ही पैलेस प्रबंधन का पहरा रहा। दोपहर बाद कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी जगदीश चौक होते हुए त्रिपोलिया गेट के बाहर पहुंचे। इस दौरान कुछ पल के लिए सिटी पैलेस के गेट खोलकर इनको अंदर प्रवेश करवाया। उसके बाद फिर से गेट बंद कर दिए गए। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी दोनों पक्षों के बीच वार्ता कर सहमति बनाने के प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जाब्ता लगाया है। बाद में इन अधिकारियों ने समोर बाग वाले गेट पर जाकर स्थिति देखी। प्रशासन और पुलिस इस मामले में सहमति के लिए प्रयास कर रहा है। एक दिन पहले दूसरे पक्ष ने दो विधिक नोटिस जारी कर बिना अनुमति पैलेस में और एकलिंगजी मंदिर में प्रवेश पर चेताया है तो दूसरी तरफ विश्वराज सिंह मेवाड़ का पक्ष सिटी पैलेस में जाने के लिए अड़ा है।

महिला ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। विवाहिता ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। इस मामले में दंपती के खिलाफ पीड़िता को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोगुन्दा थाना क्षैत्र बडलीवाली भागल निवासी मीना कुंवर (30) पत्नी चम्पासिंह ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। मीना कुंवर 22 नवंबर को कडिया की हर से पैदल घर लौट रही थी। इस दौरान बीच रास्ते मिले रूपसिंह व उसकी पत्नी विद्याबाई दोनों ने उसे खरी-खोटी बात कही तथा जहर खाकर मरने की बात कही। इससे परेशान होकर उसने घर लौटकर विषाक्त का सेवन कर लिया। जिसे उपचार के लिए उसे एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई गोपालसिंह ने पीहर खमनोर से परिजनों को बुलवाकर उनकी मौजूदगी में मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिसकर्मी की मौत

भुसावर, (निसं)। उपखण्ड भुसावर के गांव छौंकरवाड़ा कलां निवासी एक पुलिसकर्मी की सड़क हादसे में हुई मौत के बाद उसके शव की राजकीय सम्मान के साथ अन्त्येष्टि की गई। मिली जानकारी के अनुसार गांव छौंकरवाड़ा कलां निवासी 52 वर्षीय मुकेश पुत्र मूली शर्मा जयपुर पुलिस में हैड कॉन्सटेबल के पद पर तैनात था, जहां उसकी सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी। घटना के बाद गांव में जैसे ही उनका शव पहुंचा तो कोहराम मच गया।

लॉरेंस-रोहित गैंग के चार डिलीवरी बॉय हथियारों के साथ गिरफ्तार

हत्या की फिराक में घूम रहे इन बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने देशी कट्टा, मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए

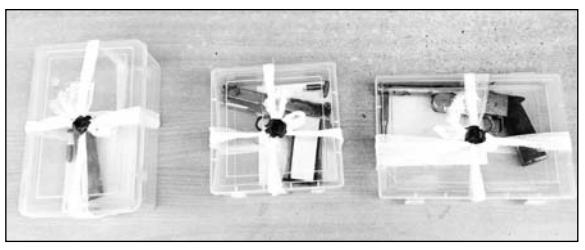

- इन्हीं बदमाशों ने जयपुर के ब्रह्मपुरी में रहने वाले व्यापारी की जानकारी रोहित गोदारा तक पहुंचाई थी, जिसके बाद रोहित ने दो व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी मांगी थी।
- पुलिस ने बदमाशों के फोन की तलाशी ली तो पता चला कि लॉरेंस गैंग का गुर्गा भटिंडा जेल में बंद रहकर इन्हें मध्यप्रदेश से हथियार लाने और जयपुर में सप्लाई के बारे में जानकारी दे रहा था। इन बदमाशों के मोबाइल पर यू.एस. से भी कुछ कॉल आने की जानकारी सामने आई हैं।

जयपुर में संजय सर्किल थाना पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के चार डिलीवरी बॉय को अवैध देशी हथियारों के साथ गिरफ्तार किया हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। संजय सर्किल थाना पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के चार डिलीवरी बॉय को अवैध देशी हथियारों के साथ गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा,एक मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किया हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गैंग में जुड़ने के लिए चारों आरोपित पिछले कुछ समय से गैंग के लिए डिलीवरी का काम किया करते हैं। साथ ही सामने आया है कि गिरफ्तार बदमाशों ने जयपुर के ब्रह्मपुरी में रहने वाले व्यापारी की जानकारी रोहित गौदारा तक पहुंचाई थी। जिसके बाद रोहित गोदारा ने दो व्यापारियों को धमकी देकर रंगदारी मांगी थी।

गिरफ्तार चारों बदमाशों के फोन कॉल की जांच में सामने आया है कि लॉरेंस गैंग का गुर्गा भटिंडा जेल में बंद इन चारों बदमाशों को हथियार मध्यप्रदेश से लाने और जयपुर में कहां पर सप्लाई करना है, की जानकारी देता था। इन के मोबाइल पर यूएस से भी कुछ कॉल आने की जानकारी सामने आई हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि संजय सर्किल थाना पुलिस कार्रवाई करते हुए लॉरेंस गैंग से जुड़े हुए योगेश सैनी(28) निवासी सरोज सिनेमा के सामने संजय सर्किल, मोहम्मद अकील मँसुरी(31) निवासी भोपजी का डेरा संजय सर्किल, हरेन्द्र विश्नोई उर्फ राकेश (20) निवासी मकराना जिला डीडवाना-कुचामन हाल मालवीय नगर को गिरफ्तार कर इनके पास से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, एक मैगजीन व पांच कारतूस बरामद किये।

पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ में सामने आया है कि वह लॉरेंश बिश्नोई गैंग के लिये काम करते हैं, उनके ही कहने पर किसी की हत्या करने के लिए हथियार लेकर आये थे। जिसकी हत्या की जानी है उसका नाम-पता व लोकेशन लॉरेंस ग्रुप के सदस्यों द्वारा दिया जाना था।

हत्या करने के बाद हम लोगों को गैंग की तरफ से पैसा मिलने वाला था। लॉरेन्स की गैंग वालों ने इंस्टाग्राम पर ग्रुप बना रखा है। पकड़े गए बदमाशों ने इस ग्रुप को फॉलो कर रखा हैं। हम लोग लॉरेंस बिश्नोई व उसकी गैंग के अन्य लोगों से सम्पर्क में आये थे। गिरफ्तार आरोपियों का लॉरेंस व रोहित गोदारा से सम्पर्क होने के कारण इन से गहन पूछताछ की गई तो पता चला कि दीपक सैनी निवासी बरवाला जिला हिसार हरियाणा के मार्फत पंजाब की जेल में बंद कैदी तथा रोहित गोदारा से सोशल मीडिया पर लगातार बातचीत होती रहती है।

रोहित गोदारा तथा लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल लगातार सोशल मीडिया पर भोले भाले लड़कों को जोड़कर उनका ब्रेनवॉश कर अपनी गैंग में शामिल करते हैं तथा पैसे वाले व्यापारियों के बारे में मालूम करके उनके मोबाइल नंबर प्राप्त कर उनको विदेश में बैठ कर रोहित गोदारा सोशल मीडिया व वॉट्सऐप के माध्यम से धमका कर फिरौती की रकम मांगता हैं। नहीं देने पर अपनी गैंग के अन्य सदस्यों द्वारा उनको डराने के लिए गोलियां चलवा देता हैं। ये चारों बदमाश लॉरेंस और रोहित गोदारा के लिए पिछले कई समय से डिलीवरी बॉय का काम किया करते थे। यह चारों बड़े व्यापारियों के नम्बर गैंग तक पहुंचाया भी करते थे। इन के द्वारा दिए गए नंबरों के बाद ब्रह्मपुरी में दो व्यापारियों को धमकी भरे कॉल भी आये थे।

मेनका गांधी ने जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता मेनका गाँधी ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति में विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी।

जयपुर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता मेनका गाँधी ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) में विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गाँधी का बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस.एस. बिस्सा ने स्वागत किया । उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और अन्य उपकरण नि:शुल्क दिए जाते हैं। मेनका गाँधी ने देश के विभिन्न प्रान्तों से आए दिव्यांग जिसमें डेढ़ वर्ष का एक बच्चा भी शामिल था से बातचीत की और जयपुर फुट की गुणवत्ता के बारे में दिव्यांगों से जानकारी हांसिल की।

मेनका गाँधी ने जयपुर फुट पर एक प्रस्तुति भी देखी और बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा दिव्यांगों के कल्याण और उनके पुर्नवास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

लुटेरी दुल्हन शादी के 5 दिन बाद घर से जेवर-नकदी लेकर फरार

जयपुर । शिवदासपुरा थाना इलाके में एक लुटेरी दुल्हन शादी के पांच दिन बाद ही घर से सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी लेकर भागने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि शादी करवाने की एवज में ढाई लाख रुपए दूल्हे के परिवार से लिए गए थे। इसके बाद शादी के पांच दिन सुसराल में रहने के दौरान सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी अलमारी से निकाल लुटेरी दुल्हन फरार हो गई। इस संबंध में थाने में पीडित दूल्हे ने लुटेरी दुल्हन सहित उसकी गैंग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

- पीड़ित दूल्हे ने लुटेरी दुल्हन समेत उसकी गैंग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया

पुलिस ने बताया कि बिलवा शिवदासपुरा निवासी 39 वर्षीय दूल्हे ने मामला दर्ज करवाया है कि आरोपी परिचितों ने घर मिलने आने पर उसकी शादी करवाने का ऑफर रखा। घरवालों ने शादी की जल्दी होने के कारण बातचीत करवाने के लिए कहा। दोनों परिचित आरोपियों ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जानकारी की लड़की होना बताया। लडकी की फोटो दिखाकर उसे व घरवालों को अपनी बातों में फंसाया। फोटो देखने पर लड़की अच्छी लगने पर बातचीत करने के लिए आने-जाने का खर्च बताकर पन्द्रह हजार रुपए ले लिए।

कुछ दिन बाद घर आकर बताया कि रोशनी के माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है। उसके भईया-भाभी प्रताड़ित करते हैं। इस कारण वह अपनी बड़ी बहन के साथ रहती है। बीए पास घरेलू लड़की है और मोबाइल-फेसबुक से दूर रहती है। शादी का पूरा खर्च लड़के वालों को उठाने पर रिश्ता तय होना बताया है। शादी के एवज में 2.50 लाख रुपए का खर्च होना बताकर देने की मांग की। रुपए देना तय होने पर 9 अक्टूबर को शादी होना तय हो गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक मंदिर में 9 अक्टूबर को दोनों की शादी करवाई गई। दस्तावेज पर लिखा-पढी कर अगले दिन 10 अक्टूबर को दुल्हन को लेकर ससुराल आ गए। ससुराल में रहने के दौरान बहाने बनाकर पति से 35 हजार का मंगलसूत्र खरीदवाया।

पति से दूरी बनाए रखने के दौरान नजर बचाकर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और दस हजार रुपए नकदी निकाल लिए। 15 अक्टूबर को दूल्हे के नौकरी पर जाने के दौरान सास को गुमराह का घर से बाहर निकल गई। वापस घर नहीं लौटने पर परिजनों के काफी ढूंढने पर भी उसका पता नहीं चला। अलमारी खोलकर देखने पर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी गायब मिलने पर लुटेरी दुल्हन के फरार होने का पता चला। शादी करवाने वालों को संपर्क करने पर पहले टालमटोल के बाद धमकाने लगे। पीड़ित दूल्हे ने कोर्ट के जरिए थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

देवनानी ने चन्द्रशेखर को ढांढस बंधाया

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के बांदा में पहुंच कर चन्द्रशेखर की माता जयंती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के बांदा में पहुंच कर चन्द्रशेखर की माता जयंती देवी के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने स्वर्गीया देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी। देवनानी ने चन्द्रशेखर सहित परिजनों को ढांढस बंधाया। देवनानी ने कहा कि मानव जीवन की यात्रा में सबसे अधिक योगदान मां का होता है। उन्होंने कहा कि जीवन को बेहतर बनाने, मूल्यों, आंकाक्षाओं और चरित्र को आकार देने में माँ का मार्ग-दर्शन होता है। जीवन की चुनौतियों का मुकाबला करने और जिम्मेदारियों को सजगता से पूरा करने के लिए प्रोत्साहन और आत्म-बल माँ से मिलता है।

देवनानी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिये और शोक संतप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की।

उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्ष और सदस्यों के लिए पहली बार होगी लिखित परीक्षा

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने कहा है कि उपभोक्ता संरक्षण के साथ कंज्यूमर केयर की अवधारणा को मूर्त्त रूप दिये जाने के क्रम में राज्य में उपभोक्ता विषयक विभिन्न नवाचारों के साथ उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत उपभोक्ता आयोगों मे होने वाली भर्तियों में पहली बार लिखित परीक्षा का प्रावधान किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद चयनित अध्यक्ष और सदस्य के विषयविज्ञ-दक्ष होने के साथ न्यायिक प्रक्रिया एवं कार्यात्मक क्षमता में न केवल अपेक्षाकृत वृद्धि होगी बल्कि समयबद्ध न्याय सुलभ होगा और उपभोक्ता आन्दोलन सुदृढ़ होगा।

अनियंत्रित स्कूटी के साथ खाई में गिरा युवक

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में स्थित नाहरगढ़ पहाड़ी पर सोमवार शाम अनियंत्रित होकर स्कूटी सहित युवक खाई में जा गिरा। सूचना मिलने पर पुलिस सहित सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन किया। जहां सौ फीट गहराई में गिरकर घायल हुए युवक को सिविल डिफेंस टीम ने रस्सी की मदद से बाहर निकाला। पुलिस ने एसएमएस अस्पताल में घायल युवक को भर्ती करवाया है।

थानाधिकारी ईश्वर चन्द ने बताया कि नाहरगढ़ पहाड़ी पर सोमवार शाम अनियंत्रित हो गिरे घायल युवक जय सिंघल (26) सिद्धार्थ नगर जवाहर सर्किल का रहने वाला है। वह सोमवार को वह स्कूटी से नाहरगढ़ पहाड़ी पर घूमने गया था। सोमवार शाम साढे चार पहाडी से स्कूटी लेकर नीचे उतर रहा था। इसी दौरान घुमाव पर किसी गाड़ी के आने पर अनियंत्रित होकर स्कूटी सहित पहाड़ी से नीचे खाई में जा गिरा। करीब 100 फीट गहरी खाई में स्कूटी सहित जय सिंघल नीचे पत्थरों पर जा गिरा। सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम को मौके पर बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। करीब एक घंटे मशक्कत के बाद सिविल डिफेंस टीम ने रस्सी की मदद से खाई से बाहर निकाला। घायल जय सिंघल को एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस अस्पताल भिजवाया गया। डॉक्टर घायल जय सिंघल को भर्ती कर इलाज कर रहे है।

- पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने रेस्क्यू कर युवक को बाहर निकाला

आत्महत्या की धमकी देकर पति से 15 लाख रु. मांगे

जयपुर । मालपुरा गेट थाना इलाके में आत्महत्या करने की धमकी देकर एक महिला द्वारा ब्लैकमेल कर पति से लाखों रुपये ऐंठने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 15 लाख रुपए की डिमांड की। मालपुरा गेट थाने में पीडित पति ने पत्नी व उसके परिवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि सांगानेर निवासी 28 वर्षीय युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि अप्रैल-2024 में उसकी शादी उत्तर प्रदेश निवासी 26 साल की युवती से हुई थी। शादी के बाद ससुराल आने के एक-दो दिन बाद ही पत्नी ने गृहक्लेश शुरू कर दिया। परिवारिक झगडे करवाने के लिए एक-दूसरे को उकसाने लगी।

अलग रहने के लिए पति पर दबाव बनाकर झगडने लगी। आरोप है कि आत्महत्या करने की धमकी देकर पति को ब्लैकमेल करने लगी। अपने घरवालों की जरूरतों के लिए रुपयों की डिमांड कर लेती रही।

पीड़ित ने अपने घरवालों से शिकायत करने की कहने पर आत्महत्या कर सभी को जेल में बंद करवाने की धमकी देने लगी।

बदमाशों ने दो कारों में आग लगाई

जयपुर । खोह नागोरियान थाना इलाके में रविवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने दो कारों को आग के हवाले कर दिया। कार के एसी का कंप्रेसर फटने पर लोग घरों से बाहर निकले। इससे पता चला कि आग में आग लगी हुई है। लोगों ने मिल कर आग को कंट्रोल किया। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। थानाधिकारी सुरेन्द्र ने बताया कि कार मालिक सागीर और उसका परिवार खोह नागोरियान थाना इलाके के ढेर की ढाणी इलाके में रहते हैं। रविवार रात को अज्ञात लोग कॉलोनी में घुसे। घर के बाहर खडी कार में पेट्रोल डाल कर आग लगा दिया। इस दौरान बदमाशों ने फैजान की कार को भी जलाया।

राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम दिवस मनाया

राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम समिति एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में मानविकी सभागार में सोमवार को आनंदम दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ.अल्पना कटेजा ने संबोधित किया।

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम दिवस आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आनंदम समिति एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में मानविकी सभागार में आज आयोजित किया गया। आनंदम दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, करूणा, मैत्री, सृजनम एवं अनुकंपा भाव विकसित करना और दूसरों के लिये जीना सिखाना है।

आनंदम दिवस का प्रारंभ आनंदम समिति संयोजक प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा आनंदम कार्यक्रम के परिचय से कराया। इसके बाद आईक्यूएसी संयोजक प्रो.रश्मि जैन ने बताया कि आनंदम विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट गतिविधि है। जिसका दायरा बढ़ा कर हमें समुदाय के बीच में जाना होगा। जिससे विद्यार्थियों का ना केवल स्व विकास होगा अपितु परपीड़ा को समझने की क्षमताओं में वृद्धि होने से एक संवेदनशील व्यक्तित्व के निर्माण से सुंदर समाज का निर्माण होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा की गई। उन्होंने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक गुणवत्ता के लिये पूरे देशभर में जाना जाने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है। जो ना केवल शैक्षिक गुणवत्ता के लि ये प्रतिबद्ध है अपितु विद्यार्थियों को समाज का प्रकार्यकारी सदस्य बनाने की दिशा में भी कार्यरत है।

कार्यक्रम के अंत में प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा आनंदम की कार्ययोजना को स्पष्ट करते हुए 16 गतिविधियों के बारे में बताया जिनमें कच्ची बस्तियों में शिक्षा कार्य, अस्पताल में सहायता कार्य, वृद्ध सेवा कार्य, तकनीक का सही प्रयोग, पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता कार्यक्रम, व्यसन मुक्ति, संपोषणीय विकास, योग, मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण, ऊर्जा एवं पानी संरक्षण आदि। इन गतिविधियों के माध्यम से राजस्थान विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समुदाय में जाकर समुदाय के लिये कार्य करेंगे। कार्यक्रम में लगभग 500 विद्यार्थी एवं अनेक शिक्षक सम्मिलित हुए।

'विद्यालयों में सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करें'

जयपुर । जिला कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला निष्पादक समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्राधिकार वाले राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करावें, साथ ही विद्यालयों में सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन पर भी फोकस करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने, विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था, टॉयलेट, पुस्तकालय सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये, साथ ही विद्यालयों के पुस्तकालयों में रखी पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों में करने एवं विद्यार्थियों से पुस्तक अध्ययन एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया।

कृषि विद्युत कनेक्शन के अनाधिकृत बढ़े हुए भार बिना पेनल्टी के होंगे नियमित

जयपुर । कृषि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में वृद्धि और कृषि उपभोक्ताओं को सुविधा के लिए स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू की हुई है। योजना के तहत् कृषि कनेक्शन के अनाधिकृत बढे हुए भार को बिना किसी पेनल्टी के मात्र धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित कर दिया जाएगा। योजना 31 दिसम्बर, 2024 तक प्रभावी रहेगी।

डिस्कॉम चेयरमैन व जयपुर डिस्कॉम की प्रबन्ध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि जिन कृषि उपभोक्ताओं ने कनेक्शन लेने के बाद किसी भी कारण से स्वीकृत भार से अधिक क्षमता की मोटर लगाकर अनाधिकृत रूप से अपने विद्युत भार को बढा लिया है, ऐसे कृषि उपभोक्ता इस योजना के तहत अपने बढे हुए भार को मात्र 60 रू प्रति एचपी की दर से धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित करवा सकते है। ऐसे उपभोक्ताओं से कोई भी पैनल्टी राशि नही ली जाएगी।

किसानों को फसल की सिंचाई के लिए पूरी और अच्छी गुणवत्ता की बिजली मिलने के साथ ही फसल को पानी देते समय ट्रांसफॉर्मर जलने की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं दूसरी ओर अनाधिकृत बढे हुए विद्युत भार के नियमित होने से डिस्कॉम द्वारा उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर किसानों को बिना व्यवधान के बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी।

यह योजना 31 दिसम्बर, 2023 तक जारी कृषि कनेक्शनों पर लागू होगी। ऐसे कृषक जो उसी कुएं पर दूसरी मोटर लगाकर भार वृद्धि करते हैं अथवा दूसरे कुएं पर जो उसी खसरा/खेत/परिसर/मुरब्बा में हो, दूसरी मोटर चालाने के लिए भार बढाते हैं।

मानसरोवर पुलिस ने अवैध हथियारों का जखीरा पकड़ा

जयपुर (कासं)। मानसरोवर थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत अवैध हथियारों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार इंस्टाग्राम आईडी की मदद से अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त करता है और स्पा सेंटर में मारपीट व डकैती की वारदात में वांछित चल रहा था। इसके अलावा आरोपी पूर्व में भी अवैध हथियार के प्रकरण में गिरफ्तार हो चुका है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी तस्कर हेमराज मध्य प्रदेश (एमपी) से हथियार लेकर आया था और उसे जयपुर में इसकी डिलीवरी करनी थी। डिलीवरी करने से पहले पुलिस टीम को अवैध हथियारों की जानकारी मिली। इस पर पुलिस टीम बिना समय गवाए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों का जखीरा जब्त कर हथियार तस्कर हेमराज सौरोत (20) निवासी खेरली जिला अलवर हाल बस्सी जयपुर को गिरफ्तार किया है।

- हथियार तस्कर हेमराज सौरोत भी पुलिस के हत्थे चढ़ा

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से सात पिस्टल मय मैगजीन, एक अतिरिक्त मैगजीन सहित आठ जिन्दा कारतूस बरामद की है। साथ ही आरोपी हेमराज सौरोत से अवैध हथियार के संबंध में गहन पूछताछ की गई तो सामने आया कि वह हथियार हब, हथियार क्लब नाम की इंस्टाग्राम आईडी से इंस्टाग्राम पर सम्पर्क कर मनावर,मध्य प्रदेश से खरीदना सामने आया है तथा सोशल मीडिया/इंस्टाग्राम के मार्फत ही खरीददार तैयार करना बताया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी हेमराज सौरोत एक शातिर अपराधी है। जो आजकल अवैध हथियारों की तस्करी करता है तथा मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में ऑटोमेटिक पिस्टल खरीदकर ला रहा है। जयपूर शहर में बदमाशों से सम्पर्क कर हथियार सप्लाई देने का प्रयास कर रहा है। इस सूचना के आधार पर बदमाश हेमराज सौरोत की रैकी कर मुखबिर तैयार किये गए। फिर सूचना मिली कि आरोपित हेमराज सौरोत मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में हथियार व कारतूस लेकर आया है।

जो थाना इलाके में किसी व्यक्ति को हथियार सप्लाई देगा। सूचना के आधार पर आस पास के इलाकों में सादा वस्त्रों में स्पेशल टीम के पुलिसकर्मी लगाये जाकर निगरानी की गई। जिस पर पुलिस ने आरोपी हेमराज सौरोत को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध हथियार बरामद एि गए है। पुलिस आरोपी से अवैध हथियार की खरीद फरोख्त के स्त्रोतों के संबंध पूछताछ करने मे जुटी है और साथ ही एक पुलिस टीम हथियार खरीद स्थल मुनावर (मध्यप्रदेश) भेजी गई है जो हथियार खरीद के स्त्रोतों के संबंध में जांच पडताल कर रही है।

संक्षिप्त

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 27 को

पाटन, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत डाबला मे स्थित सेठ नाथूराम अग्रवाल महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यमिक स्कूल में टानिया चौधरी पुत्री अजीत चौधरी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर टानिया ह्यूमन हेल्थ एंड एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा 27 नवंबर को स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। अजीत चौधरी डाबला ने जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर 9 बजे से 3 बजे तक रहेगा, जिसमें एस एम एस अस्पताल जयपुर व जनहित ब्लड सेंटर अजमेर रोड जयपुर की टीम द्वारा रक्त का संग्रहण किया जाएगा।

व्याख्यान आयोजित

पाटन, (निसं)। राजकीय कमला मोदी महाविद्यालय नीमकाथाना में राजस्थान राज्य महिला प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं पर होने वाले हिंसात्मक अत्याचार विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के राजनीति विभाग के डॉ. अजीत, सह आचार्य प्रमुख वक्ता रहे। इन्होंने घरेलू हिंसा, प्रतिवादी, घरेलू नातेदारी, व्यथित महिला, महिला के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक उत्पीड़न के बारे में विस्तार से बताया। इससे संबंधित कई तरह के कानून तथा सरकार के कर्तव्यों व सजा से भी परिचित करवाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदेश गौतम ने किया। इस अवसर समस्त स्टॉफ व छात्राएँ उपस्थित रही।

संगोष्ठी का आयोजन

सीकर । जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा संविधान दिवस 26 नवम्बर 2024 पर मंगलवार को प्रात: 11 बजे जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय (सूचना केन्द्र)कलेक्ट्रेट परिसर सीकर में जिला स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। सहायक निदेशक जनसम्पर्क पूरण मल ने बताया कि प्रदर्शनी में भारत का संविधान उद्देशिका, संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित करने को फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से दिग्दर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि संविधान दिवस पर प्रात: 11.30 बजे सूचना केन्द्र वाचनालय में भारत का संविधान विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। संगोष्ठी में शहर के प्रबुद्धजन,साहित्यकार, शिक्षाविद , विधि अधिवक्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे।

प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी आयोजित

झुंझुनूं,(निसं)। संविधान दिवस पर जिला प्रशासन और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न आयोजन मंगलवार को किए जाएंगे। जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया कि गांधी चौक स्थित जिला पुस्तकालय में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का कार्यक्रम सुबह 11.30 बजे आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर अजय कुमार आर्य होंगे।

पिता को बेटी से मिलाया

नोखा, (कासं)। बिछड़े हुए का अपनों से मिलन के क्रम में एक और प्रभुजी का मिलन अपना घर आश्रम नोखा द्वारा बेटी से कराया। किरण झंवर ने बताया कि अपना घर आश्रम नोखा द्वारा गोवर्धन प्रभुजी को नागौर से रेस्क्यू करके अपना घर आश्रम नोखा में भर्ती किया। भर्ती के समय प्रभुजी अपना नाम गोवर्धन नागौर बता रहे थे। आश्रम में काउंसलिंग के दौरान प्रभु जी ने अपने घर का नागौर पता किया तो बेटी का फोन नंबर मिला। बेटी से बात किया तो बेटी ने बताया मैं कल ही आश्रम आ रही हूं और मैं पिताजी को लेकर के साथ में जाऊंगी।

दिन में भी ठंड का अहसास

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्रीगंगानगर क्षेत्र में रंग बदलते मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदला नजर आया। दिन का तापमान गत दिवस 30 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 28 डिग्री सेल्सियस आ गया। हालांकि दिन में धूप खिली रही लेकिन ठंडी हवाएं चलने से हल्की ठंड का प्रभाव बना रहा। जयपुर के मौसम वैज्ञानिकों ने आगामी दो तीन दिन ऐसा ही मौसम बना रहने की संभावना व्यक्त की है। क्षेत्र में सुबह सूर्योदय के साथ ही हल्की ठंडी हवाएं चलनी शुरू हो गई। दोपहर 12 बजे तक ऐसी ही स्थिति बनी रही। इसके बाद हवाओं की रफ्तार धीमी होने के साथ ही थोड़ी देर के लिए मौसम सुहावना हो गया।

सड़कों पर अतिक्रमण के कारण शहर में बनी जाम की स्थिति

झुंझुनूं,(निसं)। नगर परिषद् आयुक्त के निर्देशन में झुंझुनूं शहर में टीम की ओर से सोमवार को अतिक्रमण हटाया गया। नगर परिषद की टीम ने शहीद जे.पी. जानू स्कूल से गुढा मोड तक व गुढा मोड से रोड न. 03 गोलाई मोड तक सडक के दोनों तरफ दुकानदारों और सब्जी ठेले वालों की ओर से दुकानों के बाहर से कई दूरी तक लगा रखे तख्त, लकडी की बेंच, तिरपाल आदि सामान को हटवाया। कार्रवाई के दौरान कई दुकानदारों ने टीम को देखकर बाहर रखा सामान अंदर रख लिया। अधिषाषी अभियन्ता वेदपाल गोदारा ने बताया कि रेगुलर एक्टिविटी के तहत कार्रवाई की गई है और शहीद जे.पी. जानू स्कूल से गुढा मोड तक व गुढा मोड से रोड न. 03 गोलाई मोड तक सडक के दोनों तरफ अतिक्रमण को हटाया है। इसके साथ ही दुकानदारों को

नगर परिषद की टीम ने कार्यवाही कर शहर से अतिक्रमण हटाया ।

- झुंझुनूं नगर परिषद की टीम ने कार्यवाही कर शहर से अतिक्रमण हटाया

दोबारा अतिक्रमण नहीं करने हिदायत दी है व दोबारा अतिक्रमण करने पर जुर्माना वसूल करने की चेतावनी भी दी गई। शहीद जे.पी. जानू स्कूल से गुढा मोड तक व गुढा मोड से रोड न. 03 गोलाई मोड तक सडक के दोनों तरफ दुकानदारों और रेहडी ठेले वालों की ओर से अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति रहती है जिससे कई बार लंबा जाम लग जाता है।

इससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड रहा था। रोड पर अस्त-व्यस्त रूप से खडे गये वाहनों द्वारा आवागमन को बाधित किये जाने के संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक को इनके विरूद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु लिखा जा रहा है। कार्रवाई के दौरान वेदपाल गोदारा अधिषाषी अभियन्ता, नेहा चौधरी राजस्व अधिकारी, अमित महमिया अति. प्रशासनिक अधिकारी, राजीव जानू मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, बाबूलाल चन्देल स्वच्छता निरीक्षक, संदीप कार्यवाहक स्वच्छता निरीक्षक, नितेश कार्यवाहक स्वच्छता निरीक्षक सहित नगर परिषद के अन्य कर्मचारी मौजूद रहें।

संविधान दिवस पर मतदाता शपथ होगी

सीकर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार संविधान दिवस के अवसर पर स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत जिले के समस्त राजकीय व निजी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान मतदाता शपथ दिलवाई जायेगी।जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार 26 नवम्बर 2024 को संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाना है। इस दिन जिले के समस्त राजकीय व निजी माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में नामांकित विद्यार्थियों, भावी मतदाताओं को स्वीप के अंतर्गत संवैधानिक वोट देने के अधिकार के बारे में जागरूक किया जायेगा। शिक्षण संस्थाओं में प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मतदाता शपथ लिया जाना एवं मानविकी विषय के अध्यापक के माध्यम से भावी मतदाताओं को उनके वोट के संवैधानिक अधिकार, वोट के महत्व एवं नैतिक मतदान के बारे में जागरूक किया जायेगा।

'शुचिता और मूल्यों की राजनीति के पक्षधर थे आर्य'

चूरू, (का.सं.)। चूरू जिले पहले जिला प्रमुख और पांच बार विधायक रहे रावतराम आर्य की चौथी पुण्य तिथि पर जिला मुख्यालय स्थित आदर्श छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बेटी बचाओए बेटी पढ़ाओ अभियान में आमजन को जागरुक करने पर बल

इस मौके पर मौजूद लोगों ने श्रद्धा के साथ आर्य को याद किया और उनके व्यक्तित्व.कृतित्व पर चर्चा की। इस मौके पर अध्यक्षता करते हुए कानाराम मेघवाल ने कहा कि वह भारत की राजनीति का सुनहरा दौर था। जब सादगी और साफगोई राजनेताओं का आभूषण हुआ करती थी। रावतराम आर्य ने बार.बार विभिन्न पदों पर निर्वाचन के बावजूद किसी प्रकार के अहंकार को अपने पास नहीं फटकने दिया और सहज.सरल जीवन जीते हुए जनता के हित को हमेशा तरजीह दी।पूर्व जिला परिषद सदस्य

चूरू जिले के पहले जिला प्रमुख रहे रावतराम आर्य को चौथी पुण्य तिथि पर उन्हें याद कर दी श्रद्धांजलि।

- चूरू जिले के पहले जिला प्रमुख और पांच बार विधायक रहे रावतराम आर्य को चौथी पुण्य तिथि पर याद कर दी श्रद्धांजलि

मोहन लाल आर्य ने कहा कि उनके पिता रावतराम आर्य का जीवन सभी के लिए आदर्श और प्रेरणादायी है। आज के सार्वजनिक जीवन में इतनी शुचिता, पारदर्शिता और ईमानदारी की कल्पना भी करना बेमानी है। उन्होंने रावतराम आर्य के जीवन से जुड़े विभिन्न संस्मरणों पर चर्चा की।भाजपा नेता नरेंद्र काछवाल ने कहा कि हमें रावतराम आर्य जैसे महापुरुषों के पदचिन्हों पर चलने की कोशिश करनी चाहिए। उनका जीवन बताता है कि कैसे हम अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखते हुए दूसरे लोगों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि रावतराम आर्य ने सादगी और ईमानदारी से भरा जो जीवन जियाए वह एक मिसाल है।

इस दौरान इंजीनियर रवि आय, धर्मेंद्र श्योराण, नीरज जांगिड़, सुभाष जांगिड़, एडवोकेट श्रीकृष्ण कड़वा, महेंद्र रूलानिया सहित बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने आर्य को पुष्पांजलि अर्पित की।

पावर फिट जिम बसंत विहार में आयोजित रक्तदान शिविर

सीकर, (निसं)। पावरफिट जिम, वसंत विहार ने उमंग फाउंडेशन के सहयोग से एक सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस शिविर का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और ज़रूरतमंदों की सहायता करना था। शिविर में पावरफिट जिम के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और एकत्रित रक्त को ज़रूरतमंद रोगियों के लिए उपयोग किया जाएगा।

पावरफिट जिम्स इंडिया के , अभिषेक तिवारी ने इस अवसर पर कहा, पावरफिट जिम्स हमेशा समाज की भलाई के लिए समर्पित रहा है। हम फिटनेस के माध्यम से न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहते हैं, बल्कि समाज सामूहिक जागरूकता भी फैलाना चाहते हैं। यह बल्ड कैंप उसी दिशा में एक कदम था"

पावरफिट जिम, वसंत विहार के डायरेक्टर, दीपक जोया ने रक्तदान शिविर की सभी तैयारियों का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, इस आयोजन की सफलता का श्रेय पावरफिट जिम के

- शिविर का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और ज़रूरतमंदों की सहायता करना था

समर्पित सदस्यों को जाता है, जिन्होंने अपनी उत्साह और समर्थन से इसे संभव बनाया। इस प्रकार की पहल हमें हमारी जिम्मेदारियों का एहसास कराती है और समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और भी मजबूत बनाती है।

जोया ने बताया कि अरुण तिवारी चेयरमैन, सनराइज सिटी ग्रुप जिन्होंने 59 वर्ष की आयु में सबसे पहले रक्तदान किया और इस आयोजन का नेतृत्व किया।

रक्तदान में अभिषेक वर्मा, दीपक मीणा, कुशवंत सिंह, प्रवीण मारवाल, तरुण, कपिल, सोहैल अहमद समेत अन्य पावरफिट सदस्यों ने भाग लिया।

शिविर में शामिल सभी रक्तदाताओं को विशेष प्रशंसा दी गई और उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।शिविर के दौरान सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का कडाई से पालन किया गया। रक्तदान के लिए उचित स्वच्छता व्यवस्था , और सभी रक्तदाताओं की मेडिकल जांच की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि रक्तदान सुरक्षित और सटीक रूप से हो ताकि स्वास्थ्य संबंधी कोई भी समस्या उत्पन्न न हो।

पावरफिट जिम्स इंडिया का मानना है कि इस प्रकार की गतिविधियाँ समाज में स्वास्थ्य और सामुदायिक सेवा के महत्व को बढ़ाती हैं। इस आयोजन ने यह साबित किया कि पावरफिट जिम न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देता है, बल्कि समाज की भलाई के लिए भी समर्पित है।

पावरफिट जिम्स आने वाले समय में भी इस प्रकार की सामुदायिक सेवाओं का आयोजन करता रहेगा। अभिषेक तिवारी ने बताया कि जिम की योजना है कि प्रत्येक वर्ष इसी प्रकार के सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं ताकि अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य और फिटनेस के महत्व को समझ सकें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में आमजन को जागरुक करने पर बल

चूरू, (का.सं.)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने सोमवार को पंचायत समिति में आयोजित बैठकों में आवश्यक सेवाओं तथा विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुये बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में आमजन को जागम्क करने पर जोर दिया।इस दौरान आयोजित ब्लॉक टास्क फोर्स व महिला समाधान समिति की बैठक में इन्दिरा महिला शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में 26 ऋण स्वीकृत किए गए तथा 24 सब्सिडी जारी की गई। साथ ही सखी केन्द्र में कुल केस 163 प्रकरणों में से 161 का निस्तारण किया गया। महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र में आए समस्त 644 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

शिक्षा सेतु में 103 आवेदन किये गए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के अन्तर्गत ब0ॉक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम पर चर्चा की गई तथा कन्या वाटिका व बाल विवाह रोकथाम कार्यक्रम आदि पर विचार,विमर्श किया गया।अभिसरण समिति, बेटी बचाओ बेटी पढाओ एवं महिला समाधान समिति तथा निगरानी समिति की बैठक में नवीन स्वीकृत 3 आंगनबाडी केन्द्रों. खासोलीपंचम, कोटवाद ताल.द्वितीय एवं जासासर.तृतीय के भवन हेतु निशुल्क भूमि पट्टा जारी करवाने, आंगनबाडी केन्द्र रामपुरा बास के आगे रास्ते पर गंदा पानी एकत्र होने, आंगनबाडी केन्द्र सहजुसर प्रथम की चार दिवारी गिरने सहित विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया।बॉक निष्पादन समिति की बैठक में बैठक में आपार आईडीए परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण युवा महोत्सव 2024 बॉक रैंकिंग, ज्ञान संकल्प पोर्टल पर राशि डोनेशन, खेल मैदानों पर हुये अतिक्रमण हटाने, पालनहार, भूमि विहीन व पट्टा विहीन खेल विहीन विद्यालयों, आईएफए टैबलेट आदि एजेंडों पर विचार किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए उपखण्ड अधिकारी ने कहा कि इन सब बिंदुओं को तय समय पर पूरा करें और किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें। बैठक में तहसीलदार अशोक गोरा ने राजकीय विद्यालयों में खेल मैदान, भूमि विहीन, पट्टा विहीन स्थानों को लेकर जानकारी दी।

सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें: कलेक्टर

पाटन, (निसं)। जिला कलेक्टर शरद मेहरा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट नीमकाथाना के सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलेक्टर ने बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिये । उन्होंने बजट घोषणाओं का त्वरित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, अधीक्षण अभियन्ता जलदाय विभाग को पेयजल के समुचित प्रबंध रखते हुए पानी के लिकेज दुरस्त करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कृषि विभाग को किसानों के लिए गुणवत्तापूर्ण खाद व बीज की उपलब्धता रखने के बारे में निर्देशित किया। उन्होंने राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तर पर 12 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक आयोजित

जिला कलेक्ट्रेट नीमकाथाना के सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने निर्देश दिए

होने वाले जिला स्तरीय प्रदर्शनी, जिला दर्शन पुस्तिका विमोचन, महिला सम्मेलन,युवा सम्मेलन, किसान सम्मेलन सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिसके संबंध में समस्त जिला स्तरीय अधिकारी अपेक्षित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर ने वन विभाग चारागाह भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को मुक्त करवाकर उसमें पौधारोपण कर एवं चारागाह के रूप में विकसित करें। जिला शिक्षा अधिकारी को अपार रजिस्ट्रेशन में ब्लॉकवार रिपोर्ट तैयार कर कम प्रगतिशील ब्लॉक में प्रगति लाने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सरकारी हॉस्टलों में हेल्थ शिविर लगाकर बच्चों का चेकअप करने तथा भोजन की जांच करने तथा इएसआई औषधालय प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। नगर परिषद व नगर पालिकाओं को सड़कों पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर भागीरथ शाख ने विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल की शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करने ई-फाइल निस्तारण के संबंध में निर्देशित किया कि कोई भी ई-फाइल ज्यादा समय तक लंबित नहीं रहे साथ ही समयावधि का विशेष ध्यान रखा जाए। सीएमओ के 180 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का तीन दिन में निस्तारण करने के साथ ही संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के निस्तारण के साथ ही लाईट्स पोर्टल पर न्यायिक प्रकरणों की स्थिति को अपडेट करने एवं जवाबदावा समय पर प्रस्तुत करने एवं अवमानना प्रकरणों एवं पालना से संबंधित प्रकरणों में कार्यवाही कर अपडेट करने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

रजत पदक विजेता हुआ स्वागत

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिले के निकट स्थित ग्राम पंचायत मावंडा खुर्द में रविवार को मार्शल आर्ट में पेंचिक सिलाट में रजत पदक जीतने वाले चंदन सिंह तंवर पुत्र श्रवण सिंह तंवर गोपाल गढ़ मावंडा खुर्द ने 2024में जम्मू कश्मीर के श्री नगर में शेर ए कश्मीर स्टेडियम में राष्ट्र मंडल के खेलों में पेंचीक सिलाट में अपना वर्चस्व दिखाया और रजत मेडल लेकर अपने गांव पहुंचे। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने चंदन का जोरदार स्वागत किया गया, तथा नीमकाथाना से मावंडा खुर्द बस स्टैंड पर डीजे के साथ लाया गया जहां पर सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे। वैदिक मंत्रों द्वारा जन्म भूमि प्रवेश पूजन करवा गया, बालिकाओं द्वारा आरती की गई, ग्रामीणों ने चंदन सिंह को साफा,फूल माला,एवं नोटों की माला पहना कर स्वागत किया। विश्वकर्मा युवा संघ जयपुर की टीम सदस्य कुलदीप सिंह गुढ़ा ने बताया कि चन्दन सिंह ने अपने गांव का नाम देश में रोशन किया हैं। चंदन सिंह आगामी खेल के लिए किर्गिस्तान जायेंगे, जो जल्द ही दुनियां में भारत का नाम भी रोशन करेंगे।इस मौके पर चंदन सिंह के परिवार का भी ग्रामीणों ने साफा, फूल माला पहना कर सम्मान किया। इस अवसर पर सरपंच विनोद जाखड़, ख्यालीराम, मुकेश जाखड़ खरवास, दिनेश देशवाल, प. स.सदस्य भूपेंद्र सिंह, जोगेंद्र सिंह,सतीश खरबास,रामावतार गुर्जर, पं. सीताराम शर्मा,नेकीराम जाट श्रीराम शर्मा , राजदीप शर्मा, रितेश जोशी,राजेश बाज़ल्मिकी , भवानी गोयल , टिंकू गोयल, सूबेदार मेजर राजेंद्र सिंह , नरेन्द्र सिंह,तंवर , संजय, जीतू,सायर सिंह, अमर सैनी आदि सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना मामले में पीड़ित पक्षों को 13.10 लाख रूपये पारित

तारानगर, (निसं)। तारानगर न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना मामले में कुल 13.10 लाख रूपये का आवार्ड पारित किया। पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने बताया कि 24 जुलाई 2012 शाम को मेलूसर निवासी महेश पुत्र सुरज्ञानी व सतपाल पुत्र आदुराम चूरू अस्पताल में बीमार को खाना देने के लिये गये हुये थे। रात्रि 11 बजे सी गैस गोदाम के पास पहुंचे तो राजकुमार उर्फ राजेश मेलूसर निवासी ने अपनी मोटरसाईकल को तेज गति व लापरवाही से चलाकर सतपाल की मोटरसाईकल को टक्कर मारी, जिससे महेश के गम्भीर चोटें आने की वजह से ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। घटना की एफआईआर भालेरी पुलिस थाने में दर्ज करवाई, जिस पर अनुसंधान कर मोटरसाईकल चालक राजकुमार उर्फ राजेश के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। मृतक महेश के पिता सुरज्ञानी व माता गीता आदि की ओर से अनवानी सुरज्ञानी आदि बनाम रजनीश आदि क्लेम याचिका पेश्व की गई, जिसमें न्यायालय एम.ए. सी.टी कोर्ट तारानगर के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा द्वारा सामने वाली मोटरसाईकल के बीमा नहीं होने के कारण अप्रार्थीगण ड्राईवर मालिक के खिलाफ कुल 13.10 लाख रूपये का अवार्ड पारित किया।

प्रशिक्षण शिविर संपन्न

सीकर । राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा द्वारा आयोजित स्काउट गाइड द्वितीय, तृतीय सोपान टोली नायक,निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर का सोमवार को बनवारी लाल शर्मा वरिष्ठ स्काउटर एवं महेंद्र कुमार पारीक सचिव स्थानीय संघ सीकर के सानिध्य में सर्वधर्म प्रार्थना सभा के साथ समापन किया गया । राजेंद्र प्रसाद मील सहायक जिला कमिश्नर एवं उप प्रधान जिला परिषद स्काउट गाइड सीकर, प्रधानाचार्य डाइट सीकर के द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया तथा मील के कर कमलो द्वारा प्रशिक्षण शिविर के दौरान सहयोग प्रदान करने वाले ग्राम के सेवाभावी सेवक तथा प्रशिक्षण दल के सदस्यों को प्रतीक चिन्ह प्रदान करके सम्मान किया गया।इस अवसर पर किशनलाल सियाक सचिव शिवसिंहपुरा सहायक सचिव अलिताब धोबी ,मनोहर लाल ,इरशाद रामनिवास ,उर्मिला देवी ,संजू मौर्य मोहनलाल सुखाड़िया ,इमरान रोवर लीडर ,श्याम रथ ,आदिल ,मोहित चौधरी ,मोहित मील ,योगेश चौधरी महेश भींचर,मदन मोहन शर्मा ,सौरभ जांगिड़ ,मोहम्मद फरहान, विनोद कुमार पाटोदिया,सचिन कुमार मील लखन ,सुशील कुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पांच माह से सड़क की नहीं हुई मरम्मत

चूरू, (का.सं.)। पांच माह बीत जाने के बाद भी बारिश से क्षतिग्रस्त हुई आवासन मंडल के सड़क की मरम्मत नहीं हो पायी।मिली जानकारी के अनुसार आवासन मंडल कोलोनी में प्रवेश करने वाली मुख्य सड़क जुलाई माह की पहली बारिश के साथ ही बहकर आवासन मंडल के कार्यालय में दीवार तोड़कर चली गई। जिसके बाद आज तक ना तो सड़क की मरम्मत हो पायी और ना ही आवासन मंडल के कार्यालय की दीवार दोबारा से बन पायी। नगर परिषद ने सड़क की मरम्मत करवाने बजाय उसमें कचरा डलवाकर स्वच्छता अभियान की पोल खोल कर रख दी। सड़क क्षतिग्रस्त होने के बाद पड़े गड्ढों में कुछ समय बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद बचे मलबे को डाला गया लेकिन उसे आज तक पूरी तरह से दुरुस्त नहीं किया गया। जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। यहां पर दिनभर में अनेक वाहनों का आवागमन बना रहता है। इसी के साथ बीत काफी दिनों से यहां पर नगर परिषद की ओर से संचालित कचरा उड़ाने वाले वाहनों का आना भी बंद है। यदि कभी कभार कोई आता है तो आखिर की गलियों तक तो पहुंच ही नहीं पाता। जिससे वहां के लोगों को मजबूरन बीहड़ की दीवार के पार कचरा डालना पड़ रहा है। कचरा उड़ाने वाले वाहनों के अभाव में अनेक जगह गंदगी फैली हुयी है। इसी के साथ शहर में भी अनेक स्थानों पर गंदगी नजर आती है। जहां पर साफ-सफाई का पूरी तरह से अभाव बना हुआ है।

पांच दिवसीय शिविर का आयोजन

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ में राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार कक्षा 06 से 10वीं में अध्यनरत विद्यार्थियों का तीन व पांच दिवसीय समाज उपयोगी उत्पादक कार्य शिविर का आयोजन किया गया। सोमवार दोपहर दो बजे मिली जानकारी में शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी भामाशाह मंगतूराम मोहता, नोडल प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह पूनिया व उपप्राचार्य राजवीर सुड्डा ने किया। वहीं विद्यार्थियों को कक्षा व दल के अनुसार विभक्त कर प्रभारियों के निर्देशन में कार्यों का विभाजन किया गया। छात्रा दल प्रभारी सुनहरी देवी, वीणा पूनिया व रजनी शर्मा ने विद्यार्थियों को स्वावलंब व स्वरोजगार से जुडे विभिन्न कार्यकलापो कढाई, बुनाई, खाना बनाना, चित्रकार, बढईगिरी, हस्तकलाएं, मास्क व रंगोली बनाना इत्यादि की जानकारी के साथ इन क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं से अवगत करवाया। वरिष्ठ अध्यापक गुरुदयाल सिंह ने गांधी जी के विचारों से अवगत कराया। सगीर अहमद व राजकुमार ने सामुदायिक सेवा का महत्व एवं उनसे जुडे कार्यकलापों की विभिन्न गतिविधियां करवाई। विद्यार्थियों के दल ने सुभाष पूनिया व सज्जन सिंह के निर्देशन में विद्यालय परिसर में स्वच्छता का कार्य किया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह पूनिया ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सामुदायिक सेवा तथा इसी प्रकार के अन्य सामाजिक सरोकारों से जुडने हेतु प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें शिविर में सीखी गई बातों का सामाजिक व दैनिक व्यवहारिक जीवन में उपयोग करने का आ ान किया। इस मौके पर उपप्राचार्य राजवीर सुड्डा, सुरेंद्र सैनी, मनोज कुमार, फतेह मोहम्मद, राजेश सैन, आरिफ अली, राजपाल व सिंह सहित स्टाफ सदस्य व शिविर संभागी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बुमराह काफी खतरनाक गेंदबाज हैं, पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज ने इसके पीछे का एक अहम कारण भी बताया। वसीम अकरम ने बताया कि क्यों बुमराह उनसे औऱ ब्रेट ली जैसे गेंदबाजों से ज्यादा खतरनाक हैं। - वसीम अकरम

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर, भारत के जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मैक्डोनाल्ड

शुरुआती दो दिन में पिच के बर्ताव के अंतर के सवाल पर कंगारू हेड मैक्डोनाल्ड ने कहा, दोनों देशों के गेंदबाजों ने शुरुआती दो दिन बहुत ही शानदार काम किया। और उनके बल्लेबाजों को दूसरी पारी में सिर्फ बुमराह के खिलाफ ही नहीं, बल्कि बाकी भारतीय सीमरों से निपटने के तरीकों पर काम करना है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि दोनों ही टीमों के लिए मुश्किल थी। हमारे गेंदबाजों ने असाधारण गेंदबाजी की। ऐसे में शुक्रवार का दिन बैटिंग के लिए मुश्किल दिन था, लेकिन दूसरी पारी में यह तोड़ा अलग दिखाई पड़ता है।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने 1930 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान डॉन ब्रेडमैन द्वारा एक अखबार में लेक लिखने पर 50 पौंड का जुर्माना लगाया था।

आईपीएल नीलामी के दूसरे दिन भुवनेश्वर सबसे महंगे बिके

जेद्दा, 25 नवंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सत्र के लिए नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने 10.75 करोड़ रूपये की सबसे बड़ी बोली लगाकर खरीदा। भुवनेश्वर को खरीदने के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एचएसजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच कड़ी स्पर्धा रही। आखिरी क्षणों आरसीबी ने दिन की सबसे बड़ी बोली लगाकर उन्हें अपने पक्ष में किया। दीपक चाहर को मुंबई इंडियंस में 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं तुषार देशपांडे को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से 6.50 करोड़ रुपये खरीदा। ऑलराउंडर मार्को जेनसन को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने सात करोड़ रुपये में खरीदा। जबकि बड़ौदा के क्रुणाल पांड्या को आरसीबी ने 5.75 करोड़ रुपये में खरीदा। रणजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले हरियाणा के अंशुल कंबोज को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 3.40 करोड़ रुपये में खरीदा। गुजरात टाइटन्स (जीटी) ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी को 2.40 करोड़ रुपये में हासिल किया। वहीं केन विलियमसन, अजिंक्य रहाणे और ग्लेन फिलिप्स सहित कई बड़े नाम कैप्ड खिलाड़ियों को खरीदार नहीं मिला। पिछले सीजन में रिकॉर्ड कीमत हासिल करने वाले इंग्लैंड के सैम कुरेन 2.40 करोड़ रुपये में सीएसके में वापस आ गए।

भारतीय क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया

पर्थ, 25 नवम्बर। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में 295 रन से हरा दिया है। टीम ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारतीय क्रिकेट टीम ने लंबे समय के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच दिया है।

भारतीय क्रिकेट टीम ने जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में ऐसा कारनामा कर दिखाया है जो रोहित शर्मा भी हासिल नहीं कर सके थे। भारतीय टीम ने 25 नवंबर (सोमवार) को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 (बीजीटी) के पहले मैच में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम को ये जीत 295 रनों से मिली है। ऑस्ट्रेलिया को 534 रनों के लक्ष्य का पीछा करना था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने चौथी पारी में पहली पारी की तुलना में अधिक मजबूत वापसी की। हालांकि भारतीय टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अगुवाई में भारत के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी और अंततः उन्हें 238 रनों पर समेट दिया। इस जीत के साथ भारत अब पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है।

गौरतलब है कि इस मैच के दौरान भारतीय टीम की एक अविश्वसनीय ऑलराउंड परफॉर्मेंस देखने को मिली है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों ने महत्वपूर्ण मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में मात्र 150 रन पर आउट होने के बाद, बुमराह के पांच विकेट की अगुआई में भारत के गेंदबाजी आक्रमण ने ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर ढेर कर दिया और 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में भारत ने मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया क्योंकि उन्होंने बल्ले से मैच में अपना दबदबा बनाया। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 161 रनों की धमाकेदार पारी खेली और अनुभवी विराट कोहली ने फॉर्म में वापसी करते हुए इस साल का अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा, उन्होंने 143 गेंदों पर 100 रन बनाए। जायसवाल और कोहली की मदद से भारत ने 487-6 रन बनाकर पारी घोषित की और ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का लक्ष्य रखा।

चौथी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी की तुलना में बेहतर वापसी की। ट्रैविस हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी की और 89 रन बनाए तथा मिशेल मार्श ने 47 रन की पारी खेली। एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी विकेट लिया और मेजबान टीम 238 रन पर ढेर हो गई तथा 295 रन से हार गई।

टीम इंडिया की यह जीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आई है, क्योंकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। श्रृंखला में हार के बाद क्रिकेट जगत और मीडिया दोनों ने भारतीय टीम और नए प्रबंधन, जिसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर भी शामिल हैं, की कड़ी आलोचना की। यह जीत भारत की ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत भी है और वह पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली पहली टीम बन गई।

पांच भारतीय खिलाड़ियों के पराक्रम के सामने नतमस्तक हुई ऑस्ट्रेलियाई टीम

नई दिल्ली, 25 नवंबर। भारत के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर्थ टेस्ट में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बल्लेबाज बन गए है। यशस्वी का नाम सचिन और विराट जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए है। यशस्वी से पहले भारत के लिए पर्थ में टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में सुनील गावस्कर, मोहिंदर अमरनाथ, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और अब यशस्वी का नाम जुड़ गया है।

सत्तर के दशक से अब तक पर्थ के मैदान पर रन बनाना कभी आसान नहीं रहा . दुनिया के बड़े से बड़े बल्लेबाज के ज़ेहन में पर्थ की यादें हमेशा ताज़ा रहती है। पहले वाका और अब ऑप्टस स्टेडियम दोनों जगह ही तेज गेंदबाज़ों के लिए स्वर्ग मानी जाती रही है। इन मैदानों की पिचों पर उछाल और गर्मी में खुलती दरारें बल्लेबाज़ी के लिए बुरे सपने की तरह होती है। ऐसे में यहाँ कोई बल्लेबाज़ शतक लगा दे तो उस पारी की अहमियत का अंदाज़ा आप लगा सकते है।

यशस्वी जायसवाल के पर्थ में लगाए गए शतक के पहले सिर्फ़ चार भारतीय बल्लेबाज़ पर्थ में शतक लगाने में कामयाब रहे। यशस्वी ने पर्थ में 161रन बनाए जो किसी भी भारतीय ओपनर के द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। जायसवाल से पहले जिन -जिन भारतीय बल्लेबाजों ने पर्थ में शतक लगाया उन्होंने आगें चल कर बहुत नाम किया और उनका नाम दुनिया के बड़े बल्लेबाजों में शुमार किया जाने लगा।

1977 के पर्थ टेस्ट मैच जिसमें मोहंदर अमरनाथ ने शतक लगाया उसी मैच में सुनील गावस्कर ने भी बड़ी पारी खेली थी. पहली पारी में लिटिल मास्टर जल्दी आउट हो गए जिसकी भरपाई उन्होने दूसरी पारी नें की। 127 रनों की पारी के दौरान गावस्कर ने मोहिंदर अमरनाथ के साथ 193 रनों साझेदारी भी की।

गावस्कर ने अपनी पारी के दौरान 245 गेंद खेली और 127 रन बनाए। 1992 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर सचिन महज 19 साल के थे और सचिन तेंदुलकर ने पर्थ में हर किसी को हैरान कर देने वाले कई स्ट्रोक लगाए. कट शॉट, पुल और स्ट्रेट ड्राइव का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए सचिन तेंदुलकर ने 114 रन बनाए जिसमें 16 चौके शामिल थे।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने मिजोरम को हराया

जयपुर, 25 नवम्बर। राष्ट्रिय सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के आज राजकोट में खेले गए राजस्थान-मिजोरम मैच में राजस्थान ने सलामी बल्लेबाज भारत शर्मा के आतिशी अर्धशतक व दीपक हुड्डा के ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी की सहायता से राजस्थान ने मजोरम को 62 रनो के विशाल अंतर से हराया। राजस्थान की जीत में भारत शर्मा, दीपक हुड्डा का शानदार प्रदर्शन। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम के सलामी बल्लेबाज भारत शर्मा भारत शर्मा ने 47 गेंदों पर 4 छक्कों व 7 चौकों की सहायता से 74 रनो की आतिशी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को शानदार शुरुआत दिलाई । विकेट कीपर बल्लेबाज भारत शर्मा ने दीपक हुड्डा के साथ दूसरे विकेट के लिए 127 रनो के साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत किया। दीपक हुड्डा ने 33 गेंदों पर 6 छक्के व 2 चौक्कों की सहायता से 65 रनो की अर्धशतकीय पारी खेली। कप्तान महिपाल लोमरोर ने 9 गेंदों पर 3 छक्कों के सहायता से 23 रन, युवा अंडर 19 प्रतिभाशाली बल्लेबाज कार्तिक शर्मा ने 8 गेंदों पर 2 छक्के व 1 चोक्के के सहायता से 19 रनो का योगदान देते हुए टीम के स्कोर को 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 217 रनो तक पहुँचाया। टीम के लिए भारत शर्मा 74, दीपक हुड्डा 65, महिपाल लोमरोर 23, अभिजीत तोमर 22 व कार्तिक शर्मा 19 रनो का योगदान दिया। मिजोरम पारी 155/5 (20 ओवर), राजस्थान के गेंदबाज कमलेश नागरकोठी 23/2, दीपक हुड्डा 24/1 व राहुल चाहर 32/1 विकेट प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता में राजस्थान को लगातार दुसरी जीत दिलाई।

गिलक्रिस्ट ने भारत के खिलाफ नकारात्मक रणनीति के लिए ऑस्ट्रेलिया की आलोचना

ऑस्ट्रेलिया, 25 नवम्बर। महान विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने रविवार को पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारत के खिलाफ नकारात्मक रणनीति अपनाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की आलोचना की। यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शतकों के बाद भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 487 रन पर घोषित कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 534 रन का असंभव लक्ष्य दिया।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य गेंदबाज पूरी तरह से अप्रभावी रहे और कप्तान पैट कमिंस का भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए मार्नस लाबुशेन पर निर्भर रहने का फैसला आलोचनाओं के घेरे में आ गया। गिलक्रिस्ट और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन दोनों ने ही लाबुशेन की नकारात्मक रणनीति पर चिंता व्यक्त की। गिलक्रिस्ट ने सवाल करते हुए, ''क्या आपने कभी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों की इतनी निराश टीम को ऐसी रणनीति अपनाते देखा है? नियमों की किताब के अनुसार नकारात्मक रणनीति क्या होती है?'' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम द्वारा ऐसा दृष्टिकोण कभी नहीं देखा। वॉन ने 'फॉक्स क्रिकेट' पर कहा, ''मैंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस तरह कभी नहीं देखा है।'' खेल प्रेमियों ने भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन और उनकी रणनीति पर सोशल मीडिया में निराशा व्यक्त की।

रामबाग गोल्फ क्लब के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन

जयपुर, 25 नवम्बर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब, के खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित दो प्रोफेशनल राष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट्स में बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद के बौल्डर हिल्स गोल्फ और कंट्री क्लब में हाल ही में आयोजित हीरो विमेंस प्रो गोल्फ टूर्नामेंट 2024 में रामबाग गोल्फ क्लब की खुशी खानिजाऊ ने 3 दिनों में कुल 5 ओवर पार का स्कोर दर्ज करते हुए 11वें स्थान पर अपनी स्थिति बनाई। खुशी ने चौथे और चौदवें होल्स पर बर्डी बनाकर अपनी बेहतरीन तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। वहीं, इससे पूर्व ही रामबाग गोल्फ क्लब के अन्य पेशेवर खिलाड़ी प्रखर असावा ने राष्ट्रीय स्तर पर इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट 2024 में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 21वां स्थान हासिल किया था।

इस टूर्नामेंट का आयोजन असम के डिगबोई गोल्फ लिंक्स में पीजीटीआई (प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया) द्वारा किया गया था। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन योगेंद्र सिंह एवं मानद सचिव, समृद्ध शर्मा ने दोनों खिलाड़ियों की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का समर्पण, मेहनत और खेल के प्रति जुनून न केवल उन्हें व्यक्तिगत सफलता दिला रहा है, बल्कि क्लब की मजबूत प्रशिक्षण और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। हमें आशा है कि आने वाले समय में ये खिलाड़ी और भी ऊंचाइयों को छुएंगे और गोल्फ के क्षेत्र में अपनी पहचान और मजबूत करेंगे।''

राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर भानुप्रताप सिंह का निधन

जयपुर, 25 नवम्बर। राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर विजय भानुप्रताप सिंह का सोमवार को बैंगलोर में निधन हो गया। बांसवाड़ा राजपरिवार के भानुप्रताप सिंह को क्रिकेट विरासत में मिली। वह पूर्व टेस्ट क्रिकेटर हनुमंत सिंह और पूर्व रणजी खिलाड़ी सूर्यवीर सिंह के छोटे भाई थे भानुप्रताप ने अपने रणजी ट्रॉफी करियर की शुरुआत 1976-77 में इन्दौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ की और आखिरी मैच 1983 के सत्र में खेला। अपने करीब सात साल के रणजी करियर में भानुप्रताप ने राजस्थान के लिए 11 प्रथमश्रेणी मैच खेले और 199 रन बनाने के साथ ही 18 विकेट लिए। भानुप्रताप सिंह के पारिवारिक मित्र और उनके साथ रणजी ट्रॉफी में खेले जयपुर के महेश शर्मा ने बताया कि 72 वर्षीय भानुप्रताप का कल देर रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को बैंगलोर में किया जाएगा। डेली कॉलेज इन्दौर में पढ़े भानुप्रताप ने क्रिकेट की शुरुआत मध्य प्रदेश में की लेकिन रणजी ट्रॉफी में वे राजस्थान के लिए खेले। लम्बे कद के तेज गेंदबाज भानुप्रताप जयपुर की घरेलू क्रिकेट में जयपुर ब्लूज क्रिकेट क्लब और रिजर्व बैंक की ओर से खेली। भानुप्रताप जयपुर में रिजर्व बैंक में नियुक्त हुए। बैंक की नौकरी के बाद वे लम्बे समय तक डेली कालेज इन्दौर के डायरेक्टर स्पोर्ट्स के पद पर रहे। नोयडा में जेपी एकेडमी की स्थापना के समय वे एकेडमी के डायरेक्टर बने। खेल से रिटायर होने के बाद उनका कोचिंग में रुझान रहा। वे मध्य प्रदेश की जूनियर क्रिकेट टीम से भी जुड़े रहे। भानुप्रताप के साथ क्रिकेट खेले राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर कमलाकर शर्मा, महेश शर्मा, शरद जोशी, डा. बीआर सोनी, विनोद माथुर, रौनी शरमन, आरिफ उल्ला खान और कुलदीप मिश्रा ने भानुप्रताप के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया।

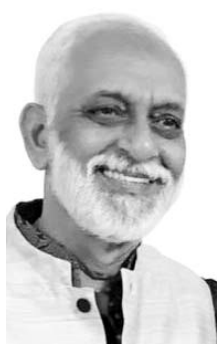

राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी और अवलोकित सिंह ने जीते गोल्ड

जयपुर, 25 नवंबर। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी सिंह और अवलोकित सिंह ने रविवार को मुम्बई में संपन्न जेएसडब्ल्यू 10वें सुनील वर्मा मेमोरियल स्क्वैश टूर्नामेंट में राजस्थान के लिए स्वर्ण पदक जीते। राजस्थान स्पोर्ट्स एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा के अनुसार दिव्यांश जैन ने लड़कियों के अंडर-13 वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र की शनाया परसरामपुरिया को पांच सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 11-3, 6-11, 11-4, 9-11, 11-2 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

दिव्यांश ने इससे पहले सेमी फाइनल में महाराष्ट्र की ही शनाया रॉय को 11-5, 11-4, 11-2 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी। लड़कों के अंडर-19 आयु वर्ग में राजस्थान के अवलोकित सिंह ने उत्तर प्रदेश के प्रियांशु कुमार को 12-10, 11-7, 6-11, 11-5 से हरा स्वर्णिम सफलता हासिल की। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता के अवलोकित ने इससे पहले सेमी फाइनल में उत्तर प्रदेश के ही अंश त्रिपाठी को 11-4, 11-1, 11-9 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी।

बुमराह ने विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल की सराहना की

पर्थ, 25 नवंबर। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने विराट कोहली की फॉर्म को लेकर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि कुछ बाहरी आलोचनाओं के बावजूद स्टार बल्लेबाज शानदार फॉर्म में है। इसके साथ उन्होंने यशस्वी जयसवाल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी के लिए भी सराहना की। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में बुमराह ने कहा कि इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। पहली पारी में हम पर दबाव डाला गया, लेकिन जिस तरह से हमने जवाब दिया वह शानदार था। मैंने यहां 2018 में खेला था उस समय पिच नरम थी। इस बार पिच में कम चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन हम अच्छी तरह से तैयार थे। मैंने सभी से कहा था कि अपनी क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें। जयसवाल की यह अब तक की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी खेली। वह गेंद को बेहतरीन तरीके से छोड़ रहे थे। मैंने विराट को फॉर्म से बाहर कभी नहीं देखा है। मुश्किल पिचों पर इस तरह की चीजो को आंकना कठिन है। लेकिन नेट्स में वह अच्छे दिख रहे थे। हमें हमेशा दर्शकों का समर्थन मिलता है, और जब ऐसा समर्थन होता है तो हमें अच्छा महसूस होता है।

सिकंदराबाद में आज से शुरू होगी सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

सिकंदराबाद, 25 नवंबर। तेलंगाना में मंगलवार से शुरु हो रही 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देशभर की 28 टीमें स्पर्धा करेंगी। तेलंगाना में दक्षिण मध्य रेलवे खेल परिसर, आरआरसी ग्राउंड, रेल निलयम में होने वाली चैंपियनशिप में इस बार भाग ले रही 28 टीमों को आठ पूल में बांटा गया। पहले चार पूल में तीन-तीन टीमें होगी। अगले चार टीमों के पूल में चार-चार टीमें रखी गई है। चैंपियनशिप छह दिसंबर तक चलेगी। क्वार्टर फाइनल तीन दिसंबर से शुरू होगा। सेमीफाइनल 5 दिसंबर को और उसके बाद तीसरे/चौथे स्थान के लिए मैच खेला जायेगा और छह दिसंबर को फाइनल होगा। पूल ए में दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, हरियाणा और मणिपुर शामिल हैं। पूल बी में छत्तीसगढ़, झारखंड और तेलंगाना हैं, जबकि पूल सी में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हिमाचल और यूनिट ऑफ तमिलनाडु शामिल हैं। पूल डी में राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। अगले चार पूल में चार-चार टीमें हैं।

अर्जुन की बदौलत जयपुर ने पुनेरी पल्टन को 15 अंक से हराया

नोएडा, 25 नवंबर। रेड मशीन का खिताब पा चुके अर्जुन देसवाल (16 अंक) के एक और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर जयपुर पिंक पैंथर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में सोमवार को रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 75वें मैच में पुनेरी पल्टन को 37-23 के स्कोर से हराकर लगातार दो मैचों से चली आ रही हार का सिलसिला तोड़ दिया।

जयपुर को 13वें मैच में सातवीं जीत मिली है। अर्जुन के अलावा नीरज नरवाल (5) और डिफेंस से रेजा मीरबघेरी (4) तथा अंकुश राठी (4) ने सराहनीय खेल दिखाया। पल्टन के लिए पंकज मोहिते और मोहित गोयत सात-सात अंक ले सके। पल्टन के रेडरों ने तो अच्छा खेल दिखाया लेकिन डिफेंडरों ने निराश किया। पल्टन को 13 मैचों में चौथी हार मिली। शुरुआती 10 मिनट में दोनों टीमें 6-6 की बराबरी पर रहीं। पल्टन के लिए पंकज मोहिते औऱ मोहित गोयत ने चमक दिखाई जबकि जयपुर के लिए नीरज नरवाल ने तीन अंक के साथ अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। ब्रेक के बाद हालांकि पंकज ने सुरजीत को गच्चा दे पल्टन को 7-6 से आगे कर दिया लेकिन नीरज ने पंकज का शिकार कर हिसाब बराबर किया। इस बीच अर्जुन ने चार के डिफेंस में नादराजन को आउट कर पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। इसके बाद मैच की पहली डू ओर डाई रेड की बारी आई, जिसमें अजीत ने दो अंक लेते हुए पल्टन को आगे कर दिया। हालांकि अर्जुन ने फिर स्कोर बराबर कर दिया। पल्टन के लिए अभी भी सुपर टैकल आन था।

पल्टन इस स्थिति का फायदा नहीं उठा सके और 16वें मिनट में आलआउट हो गए। जयपुर को 14-10 की लीड मिल चुकी थी। आलइन के बाद जयपुर ने एक के मुकाबले पांच अंक लेकर फासला 8 का कर लिया। पंकज और डिफेंडर मोहित का शिकार हो चुका था। इस तरह जयपुर ने 19-11 स्कोर के साथ पाला बदला। हाफटाइम के बाद अर्जुन ने मोहित का शिकार कर पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। इसके बाद अर्जुन ने ही एक ही रेड में तीनों डिफेंडर्स को आउट कर पल्टन को दूसरी बार आलआउट कर दिया।

बिहार के विरुद्ध मैच हेतु राजस्थान 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम घोषित

जयपुर, 25 नवम्बर। आगामी 28 नवम्बर से पटना में खेले जाने वाली राष्ट्रिय अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच (मल्टी डेज) में बिहार के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर 19 टीम घोषित तोषित भाटिया (कप्तान)। मैच दिनांक 28 नवम्बर से 1 दिसंबर को पटना में बिहार के विरुद खेला जायेगा। राजस्थान अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम :- यश यादव, तनय थवानी, निर्मल बिश्नोई, सचिन शर्मा, ध्रुव सेठी, जतिन सैनी, गुलाब सिंह, तोषित भाटिया (कप्तान), विश्वजीत सिंह भाटी, आकाश मुंडेल, चंद्रपाल, पार्थ यादव, मो अनस, आभाष श्रीमाली, मोहित भगतानी, देवेंद्र सिंह तंवर, मनय कटारिया।

उदयपुर में जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

उदयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता-2024 का शुभारंभ सोमवार को महाराणा प्रताप खेलगांव उदयपुर में हुआ। प्रतियोगिता में जनजाति उपयोजना क्षेत्र के सात जिलों से 1300 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह खेलगांव स्थित स्टेडियम में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, अतिरिक्त आयुक्त (टीएडी) गितेशश्री मालवीया, आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ओपी मीणा, समाजसेवी प्रमोद सागर तथा रविन्द्र श्रीमाली, राज्य जनजाति खेल अधिकारी नरेंद्र भूरिया के आतिथ्य में हुआ। प्रारंभ में जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल ने अतिथियों का उपरणा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। राज्य जनजाति खेल अधिकारी श्री भूरिया ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राज्य सरकार की ओर से खिलाड़ियों को प्रदत्त सुविधाओं तथा खेल योजनाओं की जानकारी देते हुए उससे लाभान्वित होने का आ ान किया।

राष्ट्रीय वीमेन अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 25 नवम्बर। पुणे में खेली जा रही राष्ट्रीय अंडर 15 एक दिवसीय ट्रॉफी मैच में राजस्थान-मुंबई के मध्य खेले गए मैच का स्कोर :- टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने गौरवी खंगारोत 26, रोचले यादव 23, दीक्षा चौधरी 22 व सरिता 19 रनो की सहायता से टीम को 127 रनो के स्कोर तक पहुँचाया। मुंबई पारी 128/1, राजस्थान की गेंदबाज धृति माथुर 30/1 विकेट प्राप्त किये।

यूनाइटेड भारत और नेशनल यूनाइटेड की जीत

नई दिल्ली, 25 नवंबर। यूनाइटेड भारत एफसी और नेशनल यूनाइटेड एफसी ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर डीएसए दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। डॉ. बी आर अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच फजल के गोल से यूनाइटेड भारत ने हिन्दुस्तान एफसी को 1-0 से हराया। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में नेशनल यूनाइटेड ने सांगोट जार्ज के गोल की बदौलत तरुण संघा पर 1-0 से जीत दर्ज की। नेशनल यूनाइटेड के राम स्वरूप को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। अंक तालिका की फिसड्डी टीमों के बीच खेले गए मुकाबले में अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों की कमजोर निशानेबाजी के कारण गोल नहीं निकल पाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। इस दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान अविचल चतुर्वेदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'अगले माह सवा लाख बालिकाओं को साइकिल वितरित की जायेगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग के काम की समीक्षा की

- **मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सर्वे करा कर विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति करें तथा राज्य के सरकारी व निजी विद्यालयों के ड्रैस कोड में एक रूपता लाई जाये।**

जयपुर, 25 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है, क्योंकि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही, खाली पदों पर भर्ती तथा स्कूलों में कक्षा-कक्षों का निर्माण कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चले, इस हेतु सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को लगभग साढ़े 3 करोड़ पाठ्यपुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया है तथा कक्षा 1 से 8 तक के समस्त विद्यार्थियों एवं 9 से 12 तक की बालिकाओं को स्कूल बैग भी दिए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि आगामी माह में 1 लाख 25 हजार बालिकाओं को साइकिल वितरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतरीन करने हेतु सरकार खाली पदों पर भर्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में अब तक लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा लगभग 18 हजार पदों पर पदोन्नित की गई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या का सर्वे करवाकर, विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के ड्रेस कोड में एकरूपता लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने स्कूलों में कक्षा कक्षों तथा बालिका विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति का भौतिक सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत और नव निर्माण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में शासन सचिव स्कूल शिक्षा, कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री को स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के 1.34 करोड़ विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

इस अवसर पर, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान, अविचल चतुर्वेदी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस्तीफा प्रकरण : धारीवाल, महेश जोशी सहित 6 को हाईकोर्ट का नोटिस

भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका में 6 नेताओं से 4 सप्ताह में जवाब मांगा

- **25 दिसम्बर 2022 को 81 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे सौंपे। अध्यक्ष ने लम्बे समय तक इस पर निर्णय नहीं लिया। पिछली सुनवाई पर स्पीकर की ओर से जवाब आया कि इस्तीफे स्वैच्छिक नहीं थे, इसलिए अस्वीकार कर दिये। याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि किसके दबाव में इस्तीफे दिये गये।**

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कांग्रेस के तत्कालीन 81 विधायकों द्वारा इस्तीफा देने से जुड़े मामले में, अपने और 75 विधायकों के इस्तीफे की कॉपी स्पीकर को सौंपने वाले तत्कालीन छह विधायकों, शांति धारीवाल, महेश जोशी, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढ़ा को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

अदालत ने इन तत्कालीन विधायकों से 4 सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। चीफ जस्टिस, एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिकाकर्ता ने गत सुनवाई को इन तत्कालीन 6 विधायकों को पक्षकार बनाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

याचिका में कहा गया कि 81 विधायकों ने 25 सितंबर, 2022 को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे दिए थे। इसके बाद याचिकाकर्ता ने कई बार स्पीकर को प्रतिवेदन देकर इस्तीफों पर निर्णय करने को कहा, लेकिन उन्होंने कोई निर्णय नहीं किया। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को कहा गया कि इस्तीफा देने के बाद इन 81 विधायकों ने वेतन भत्तों के तौर पर करीब 18 करोड़ रुपए प्राप्त किए हैं। ऐसे में इस बिन्दु पर उचित आदेश दिए जाएं। इसके अलावा स्पीकर के समक्ष लंबित इस्तीफों के संबंध में निर्णय करने की अधिकतम समय सीमा तय की जाए।

अधिवक्ता हेमन्त नाहटा ने बताया कि इन छह तत्कालीन विधायकों को इस मामले में पक्षकार बनाने के लिए यह प्रार्थना पत्र इसलिए दायर किया था, ताकि पता चल सके कि कांग्रेस के 81 विधायकों ने किसके दबाव में विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे सौंपे थे।

दरअसल इस मामले में पिछली सुनवाई पर मौजूदा स्पीकर का जवाब आया था, जिसमें कहा गया था कि इस्तीफों को स्पीकर ने यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि विधायकों ने अपने इस्तीफे स्वैच्छिक नहीं दिए थे और कई विधायकों ने अपने इस्तीफे, व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होकर, नहीं देने की बात की थी।

झारखंड की नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। इन 71 करोड़पतियों में से 28 विधायक झारखंड मुक्ति मोर्चा, (जे.एम.एम.), 20 भाजपा, 14 कांग्रेस, 4 आर.जे.डी., 2 सी.पी.आई. एम.एल. लिबरेशन और एक-एक एल. जे.पी. (राम विलास), जय (यू.) तथा ए.जे.एस.यू. के है। हाल में संपन्न हुए चुनावों में जे.एम.एम. को 34 सीटों पर विजय हासिल हुई, जबकि, कांग्रेस ने 16 सीटें जीतीं। वहीं, आर.जे.डी. ने चार और सी.पी.आई.एम.एल. लिबरेशन ने दो सीटे जीती है।

दूसरी तरफ भाजपा को 21 विधानसभा सीटों पर तथा उसकी पार्टनर एल.जे.पी. (पासवान), जय (यू) और ए.जे.एस.यू. पार्टी को एक-एक सीट पर जीत मिली। झारखंड विधानसभा 2024 में प्रति विजेता प्रत्याशी औसत संपत्ति 6.90 करोड़ है। सन् 2019 के चुनावों में यही औसत 3.82 करोड़ था।

अडानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को "आधारहीन" बताया है।

अडानी मुद्दे को लेकर हो रहे हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही भी स्थगित कर दी गई।

संभल : सपा सांसद और विधायक पुत्र के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज

संभल में बाहरी लोगों के आने पर रोक, सभी स्कूल बंद किये

- **सपा सांसद जिया उर रहमान तथा विधायक इकबाल महमूद के पुत्र सुहेल इकबाल के खिलाफ साजिश करने, दंगा भड़काने व भीड़ इकट्ठी करने के आरोप हैं।**

संभल, 25 नवंबर। जिले में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुए बवाल के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना और पुलिस की ओर से किए गए लाठीचार्ज में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद संभल में बाहरी लोगों के आने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा इलाके में स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है और पुलिस ने पूरे मामले को लेकर संभल कोतवाली में एफ.आई.आर. दर्ज की है। एफ.आई.आर. में सपा सांसद जिया उर रहमान और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल के खिलाफ साजिश का मुकदमा दर्ज किया गया है।

रविवार को जिले में हुए बवाल के बाद संभल कोतवाली में दंगे को लेकर दर्ज की गई एफ.आई.आर. में सुनियोजित साजिश, दंगा भड़काने और भीड़ इक्कठा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के हाथ दंगा भड़काने वाले कुछ वीडियो पोस्ट भी लगे हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

संभल में हुई हिंसा मामले में अब तक सात एफ.आई.आर. दर्ज की गई हैं। इन सभी में कुल मिलाकर 2500 से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संभल के एस.पी. कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा, "हमारे सब-इंस्पेक्टर दीपक राठी, जो कल घायल हुए थे, उन्होंने 800 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जिया उर रहमान बर्क और सोहेल इकबाल को आरोपी बनाया गया है। उन्होंने भीड़ को उकसाया था।" उन्होंने बताया कि बर्क को पहले भी नोटिस दिया गया था, इसके बावजूद उन्होंने लोगों को भड़काया, जिस वजह से लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया था। बर्क को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संभल में बवाल के बाद कई तरह की पाबंदियां लगा दी गई हैं। इस के तहत एक दिसंबर तक बहारी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। आदेश के मुताबिक जिले में बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि के प्रवेश पर रोक है। प्रशासन ने अतिसंवेदनशील स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया है। जानकारी के मुताबिक हिंसा और पथराव के बाद हिरासत में लिए गए लोगों के घरों से हथियार बरामद हुए हैं।

'आरोप अडानी पर है, और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों, जिनमें अन्य राज्यों से आये लोग भी शामिल थे, ने भाग लिया। ये लोग अडानी के खिलाफ नारे लिखी हुई तख्तियाँ हाथों में उठाये हुये थे।

अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स ने सागर अडानी पर आरोप लगाते हुये कहा कि उन्होंने कथत रूप से करोड़ों डालर की रिश्वत भारतीय अधिकारियों को दी। इन नोटों को प्रॉसिक्यूटर्स ने "रिश्वत के नोट" बताया है।

इस कथित रिश्वत-कांड पर अमेरिकन अधिकारियों का ध्यान उस समय गया, जब अडानी की कम्पनी 2021 में शुरू हुये इस लेन-देन से सम्बन्धित पैसों की उगाही अमेरिकन निवेशकों से कर रही थी।

ऐसा प्रतीत होता है कि रिश्वत के इस अभियोग की शाखें पूरी दुनिया में फैल गई हैं। ऐसी खबरें है कि कुछ बैंकर इस ग्रुप को नया उधार देना फिलहाल रोक देने पर विचार कर रहे हैं।

कीनिया ने 2.5 अरब डॉलर के अडानी इन्फ्रास्ट्रक्चर के सौदे रद्द करने के आदेश दे दिये हैं। एक अमेरिकन डवलपमेन्ट एजेंसी श्रीलंका के एक अडानी पोर्ट प्रोजेक्ट का पुनः आकलन कर रही है, जिसे वित्तीय सहयोग देने के लिये पहले सहमति दे दी गई थी।

बाँग्लादेश में, एक सरकारी पैनल ने बिजली के सौदों, जिनमें एक सौदा अडानी से भी किया गया है, की जाँच के लिये कानूनी सहायता माँगी है।

असली सवाल है कि अब अडानी पर आगे क्या होगा? उन पर विदेशी रिश्वतखोरी, सिक्यूरिटीज फ्रॉड, सिक्यूरिटी फ्रॉड षडयन्त्र तथा बायर फ्रॉड षडयन्त्र के आरोप हैं।

उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है तथा वे कहाँ है, यह ज्ञात नहीं है। हालाँकि, माना जा रहा है कि वे भारत में ही हैं।

अगर उनका प्रत्यार्पण होता है, या वे अमेरिका में सरेन्डर करते हैं, तो भी ट्रायल में काफी समय लगना है।

अगर अडानी पर अभियोग साबित हो जाता है तो उन्हें दशकों तक जेल में रहना पड़ सकता है तथा उन पर जुर्माने भी हो सकते हैं।

हालाँकि, किसी प्रकार सजा दिया जाना अन्ततः केस की सुनवाई करने वाले जज पर निर्भर है।

अमेरिकन अदालत के एक निर्देश के अनुसार, फिलहाल अडानी को अमेरिकन मार्केट्स के रेग्यूलेटर के आरोपों का जवाब 21 दिन के अन्दर देना है।

खुली जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले कैदियों का भी पुनर्वास करना होगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने कहा कि खुली जेल को आवंटित की गई जमीन को कम नहीं किया जा रहा है। खुली जेल का कुल क्षेत्रफल 61,160 वर्ग मीटर है। इसमें से 17,800 वर्ग मीटर जमीन पर निर्माण है।

वहीं, खुली जेल के लिए राज्य सरकार द्वारा अलग से 14,940 वर्ग मीटर जमीन आवंटित करना प्रस्तावित है, जबकि 22,000 वर्ग मीटर जमीन पर ही सेटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा।

वहीं, हॉस्पिटल निर्माण के दौरान कैदियों का पुनर्वास किया जाएगा। मौजूदा समय में खुली जेल में 410 कैदी रह रहे हैं।

दरअसल अवमानना याचिका में कहा था कि खंडपीठ ने 17 मई 2024 को आदेश जारी कर, राज्य सरकार को खुली जेल की जमीन को कम नहीं करने और छह दशक से खुली जेल के लिए काम आने वाली इस जमीन को संरक्षित करने के लिए कहा था, लेकिन जेडीए ने 30 जुलाई 2024 को इस जमीन पर सेटेलाइट हॉस्पिटल का आवंटन मंजूर कर लिया है। राज्य सरकार व जेडीए का ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी, बिना सोचे समझे और विभिन्न समूहों व हितों को "बैलेंस" किए बिना बड़ी बेतरतीबी से नियुक्तियाँ कर रही है।

लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस की यही कहानी है। राहुल गांधी अपनी पार्टी में राजनीति को सूक्ष्म तरीके से नहीं देखते हैं और उन्होंने के.सी. वेणुगोपाल को अपनी पावर ऑफ अटॉर्नी दे रखी है।

यहाँ तक कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे भी निरीह से नज़र आते हैं, क्योंकि वे काफी समय से वेणुगोपाल और जयराम रमेश को हटाना चाहते पर कर नहीं पा रहे हैं।

15 साल राज किया, पर 15 सीटों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लें या किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करें, जो स्वतंत्र एवं सक्षम हो। मल्लिकार्जुन खड़गे निश्चित रूप से इस पद को सँभाल नहीं सके हैं, और उनका कार्यकाल 2027 में समाप्त होगा, तो यह स्पष्ट है कि बैक सीट ड्राइविंग आगे न तो काम कर सकती है और न करेगी।

2019 से लेकर अब तक, कांग्रेस ने बहुत सारे चुनाव हारे हैं, लेकिन सब कुछ ठीक करने की दिशा में कोई कोशिश नहीं की गई तथा न ऐसी नई प्रतिमाओं को आगे लाया गया, जो पार्टी को ताकतवर बना सकें।

पिछले पाँच साल का रिपोर्ट कार्ड इस प्रकार है-

2019 - लोक सभा हारे,
2019 - आन्ध्र प्रदेश, सिक्किम ओडिशा, अरूणाचल प्रदेश तथा हरियाणा हारे
2020 - दिल्ली और बिहार हारे
2021 - असम, केरल तथा पश्चिम बंगाल हारे
2022 - गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा तथा मणिपुर हारे
2023 - राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ हारे
2024 - लोकसभा चुनाव, ओडिशा, आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा तथा महाराष्ट्र हारे

इन हारों के लिये क्या कोई जिम्मेदार ठहराया गया? अब तक इन पराजयों की कोई जवाबदेही तय नहीं की गई, कोई आत्म-निरीक्षण नहीं किया गया, कोई विश्लेषण नहीं किया गया।

एक हार के बाद, पार्टी दूसरी हार की ओर बढ़ जाती है।

दो से ज्यादा संतान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि कार्मिक विभाग ने 16 मार्च, 2023 को अधिसूचना जारी कर दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को संबंधित सालों से पदोन्नत करने का प्रावधान किया था। इसके खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने गत अगस्त माह में अंतरिम आदेश जारी कर पदोन्नतियों पर रोक लगा दी थी, जबकि अंतरिम आदेश के जरिए पूरी पदोन्नति प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता। इसके अलावा, याचिकाकर्ता को पूर्व में दी गई पदोन्नति इस अधिसूचना से प्रभावित नहीं हो रही है। इसलिए पूर्व में दिए आदेश को वापस लिया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने पूर्व में दिए आदेश को संशोधित करते हुए तथा पदोन्नतियों पर लगी रोक को हटाते हुए उसे याचिका के निर्णयाधीन रखा है।

याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार ने एक जून 2002 या इसके बाद दो से ज्यादा संतान वाले सरकारी कर्मचारियों को तीन व पांच अवसरों तक पदोन्नित से वंचित रख रखा था। वहीं, कार्मिक विभाग ने 16 मार्च 2023 को एक अधिसूचना निकाल कर कहा कि किसी भी कर्मचारी को केवल ज्यादा संतान होने के चलते पदोन्नित से वंचित नहीं किया जा सकता। ऐसे में जिन कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित किया है, उन्हें उनके पदोन्नति वर्ष से ही इसका लाभ दिया जाएगा। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि पिछली तारीखों से किसी भी कर्मचारी की योग्यता के संबंध में अधिसूचना जारी नहीं की जा सकती। वहीं, इस अधिसूचना के जरिए वो कर्मचारी पदोन्नत होंगे, जिन्हें पहले अयोग्य माना जा चुका है। इस कारण याचिकाकर्ताओं की पदोन्नित भी प्रभावित होगी और वे वरिष्ठता में उनसे नीचे चले जाएंगे। इसलिए 16 मार्च 2023 की अधिसूचना के आधार पर दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं दी जाए।

नीट यूजी : स्ट्रे वेकैन्सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता रघुनंदन शर्मा ने कहा कि 11वीं कक्षा के प्रमाण पत्र में बायोलॉजी विषय का उल्लेख नहीं होने पर स्ट्रे वैकेंसी राउंड में सीट आवंटन नहीं करने पर एकलपीठ में याचिका पेश हुई थी। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने गत दिनों अपीलार्थियों के सीट आवंटन को निरस्त कर दिया था, जबकि एकलपीठ के याचिकाकर्ताओं को अगस्त माह में ही इसकी जानकारी थी कि काउंसलिंग में वह प्रमाण पत्र पेश करना है, जिसमें कक्षा 11वीं में बायोलॉजी विषय होने की जानकारी हो। वहीं, तय प्रक्रिया पूरी होने के बाद एकलपीठ में याचिका दायर की गई, जबकि स्ट्रे वैकेंसी राउंड में अपीलार्थी सहित अन्य अभ्यर्थियों ने 11वीं कक्षा में बायोलॉजी विषय होने के संबंध में प्रमाण पत्र पेश किया था और याचिकाकर्ता ने ऐसा कोई प्रमाण पत्र पेश नहीं किया था। इसलिए उन्हें सीट आवंटित नहीं की गई। ऐसे में अपीलार्थियों का सीट आवंटन निरस्त नहीं किया जा सकता। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने सीट आवंटन निरस्त करने पर रोक लगा दी है।

तेलंगाना ने अडानी का 100 करोड़ का दान लौटाया

हैदराबाद, 25 नवंबर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े विवाद पर राज्य सरकार की स्थिति स्पष्ट की। रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि तेलंगाना सरकार का कथित मुद्दों से कोई संबंध नहीं है तथा अंबानी, अडानी और टाटा जैसे उद्योगपति राज्य में व्यापार करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते, वे कानूनी प्रोटोकॉल का पालन करें। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए अडानी द्वारा घोषित 100 करोड़ रुपये के दान को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है।

केजरीवाल दिल्ली में 80 हजार नये बुजुर्गों को पेंशन देंगे

नई दिल्ली, 25 नवंबर। दिल्ली में अब से कुछ ही समय बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा दांव खेलते हुए दिल्ली के बुजुर्गों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। केजरीवाल ने बताया है कि दिल्ली में 80 हजार नए बुजुर्गों को पेंशन की सौगात मिलेगी। उन्होंने कहा, दिल्ली में अब सब रूके हुए काम फिर से शुरू कराएँगे।

अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुजुर्गों के लिए यह बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा, सरकार

- **दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल की घोषणा को चतुर राजनीतिक कदम माना जा रहा है।**
- **केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब वे जेल में गये तब बुजुर्गों की पेंशन रोक दी गयी थी। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने फिर से पेंशन शुरू करवायी है।**

80 हजार नए बुजुर्गों को पेंशन देने जा रही है, दिल्ली में अब 5 लाख 30 हजार बुजुर्गों को पेंशन मिलेगी।

अरविंद केजरीवाल ने बताया है कि अभी 60 से 69 साल के बुजुर्गों को 2 हजार रुपये महीना दिया जाता है। इसके अलावा 70 वर्ष से ज्यादा के बुजुर्गों को 2500 रुपए महीना दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस फैसले को कैबिनेट ने भी पास कर दिया है, ये लागू भी हो गया है और पेंशन के लिए 10 हजार नए एप्लिकेशन भी आ गए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "जहां डबल इंजन की सरकार है वहां पर बुजुर्गों को कम पेंशन मिलती है, और यहां सिंगल इंजन की सरकार है तो यहां 2500 पेंशन मिलती है। इसलिए डबल इंजन को नहीं सिंगल इंजन की सरकार ही चुनिए।" केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब वह जेल गए तो बुजुर्गों की पेंशन रोक दी गई यह पाप है। केजरीवाल ने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने फिर से पेंशन को शुरू करवाया है।

संविधान की प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्षता" शब्द शामिल किए जाने के खिलाफ याचिकाएं खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इतने वर्षों बाद इस प्रक्रिया को निरस्त नहीं किया जा सकता

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता का क्रियान्वयन सरकार पर निर्भर है।**
- **ज्ञातव्य है कि आपातकाल में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संविधान संशोधन के जरिए प्रस्तावना में "समाजवाद" व "धर्मनिरपेक्षता" शब्द जुड़वाए थे।**
- **भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी और अश्विनी उपाध्याय ने पृथक- पृथक याचिकाएं दायर कर इन शब्दों को हटाने की मांग की थी और कहा था कि आपातकाल में संसद द्वारा पारित संशोधन अमान्य हैं, पर कोर्ट ने उनके तर्क को ठुकरा दिया।**

नयी दिल्ली, 25 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्दों को शामिल किये जाने को चुनौती देने वाली याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि संबंधित रिट याचिकाओं पर आगे विचार-विमर्श और निर्णय की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने कहा, हमने स्पष्ट किया है कि इतने वर्षों के बाद प्रक्रिया को इस तरह से निरस्त नहीं किया जा सकता। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता क्या है और इसे कैसे लागू किया जाता है, यह सरकार की नीति पर निर्भर करेगा।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने याचिकाएँ दायर की थीं। शीर्ष अदालत ने 22 नवंबर को कहा था कि संविधान में 1976 में किए गए संशोधन में प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्दों को शामिल किया गया था, जिसकी न्यायिक समीक्षा की गई थी और वह यह नहीं कह सकता कि आपातकाल के दौरान संसद ने जो कुछ भी किया, वह सब निरर्थक था। पीठ ने पहले भी कहा था कि ऐसे कई फैसले हैं, जिनमें शीर्ष अदालत ने कहा है कि धर्मनिरपेक्षता मूल ढ ांचे का हिस्सा है और वास्तव में इसे मूल ढ ांचे के रूप में अपरिवर्तनीय हिस्से का दर्जा दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत में आपातकाल की घोषणा दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को की थी, जो 21 मार्च 1977 तक लागू रही। केंद्र की इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 1976 में किए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द शामिल किए गए थे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600